RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:235 ता. 15 मार्च 2023, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

देश की पहली वंदे भारत की यात्रा होगी आरामदायक मिलेंगी ये खास सुविधाएं

नई दिल्ली । नई दिल्ली से वाराणसी के बीच चलने वाली देश की पहली वंदे भारत ट्रेन की यात्रा आने वाले दिनों में और भी आरामदायक होगी। इसके लिए नया रेक लगाने का फैसला किया गया है। इसकी सीट आरामदायक होगी। अभी इसकी सीट एक स्थान पर स्थिर रहती है। इसे आगे पीछे नहीं किया जा सकता है। इससे यात्रियों को थकान महसूस होती है। नई ट्रेन में यह कमी दूर कर दी गई है। यात्री अपनी सुविधा के अनुसार सीट को आगे पीछे कर सकता है। उल्लेखनीय है कि देश में पहली वंदे भारत एक्सप्रेस 15 फरवरी 2019 को शुरू हुई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से इस स्वदेश निर्मित और देश की सबसे तेज गति से चलने वाली ट्रेन को रवाना किया था। यह सप्ताह में पांच दिन चलती है।

बढ़ सकती हैं दिल्ली सरकार की मुश्किलें

नई दिल्ली । फीडबैक यूनिट एफबीयू मामले में दिल्ली सरकार की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। एलजी कार्यालय ने पूर्व सांसद संदीप दीक्षित और दो पूर्व मंत्रियों के पत्र को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई के लिए मुख्य सचिव को भेज दिया है। खुफिया जानकारियां इकट्ठा करने के लिए एफबीयू के गठन पर सवाल उठने के बाद पूर्व सांसद सहित दो पूर्व मंत्री मंगत राम सिंघल और किरण वालिया ने एलजी को पत्र लिखकर एनआईए या सीबीआई से जांच करवाने की मांग की थी। इसे भ्रष्टाचार से अलग मानते हुए देशविरोधी गतिविधियां में संलिप्तता का आरोप लगाते हुए दिल्ली सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों के खिलाफ राजद्रोह की कार्रवाई की मांग की गई थी। इस मामले में आम आदमी पार्टी ने भी एलजी कांग्रेस और भाजपा पर निशाना साधते हुए कई सवाल उठाए हैं। आप ने निशाना साधते हुए कहा है कि यह देखना बहुत दिलचस्प है कि जब दिल्ली सरकार बीजेपी से जुड़े किसी मामले की एलजी से शिकायत या संदर्भ लेती है तो वह उस पर कभी कोई कार्रवाई नहीं करते हैं। लेकिन कांग्रेस नेताओं की एक शिकायत पर बीजेपी के एलजी ने तुरंत एक्शन लिया है। इससे पता चलता है कि कैसे भाजपा और कांग्रेस पीठ पीछे एक समान हैं। कांग्रेस और बीजेपी एक है।

जम्मू-कश्मीर में जी-20 समिट की बैठक, आईएसआई ने बनाया आंतकी हमले का प्लान

जम्मू । भारत को इस साल की जी-20 समिट की अध्यक्षता मिली है। इस लेकर देश के प्रमुख शहरों में बैठकें हो रही हैं। जहां बैठकें होने वाली है, वहां तमाम तरह की तैयारियां की जा रही है। लेकिन इस बीच खबर है कि आईएसआई की नापाक निगाहें भी इस बैठक पर है। खुफिया रिपोर्ट के हवाले से खबर है कि जी-20 समिट के तहत जम्मू-कश्मीर में होने वाली इवेंट आईएसआई के निशाने पर है। पाकिस्तानी आईएसआई ने आतंकी संगठन लश्कर, हिजबुल और जम्मू-कश्मीर गजनवी फोर्स को ज्यादा से ज्यादा आतंकी हमलों को अंजाम देने का फरमान सुनाया है। आतंकी हमलों के कैसे अंजाम देना है, इसके लिए आईएसआई ने इस्लामाबाद में आतंकियों के साथ बैठक भी की है। इस्लामाबाद में आईएसआई के ब्रिगेडियर रैंक के अधिकारी ने तीनों आतंकी संगठनों के कमांडरों से मुलाकात की है। इस्लामाबाद में जी-20 समिट के तहत जम्मू-कश्मीर में होने वाले इवेंट पर आतंकी हमले को अंजाम देने का प्लान बना है। मुलाकात के दौरान आईएसआई का ब्रिगेडियर रैंक का अधिकारी सज्जाद अमीन ने जी-20 के जम्मू-कश्मीर में होने वाले आयोजनों को टारगेट करने का आदेश दिया है। इस खबर के बाद से खुफिया एजेंसियों ने अलर्ट जारी कर दिया है। अधिकारी से लेकर सेना और पुलिस अलर्ट मोड पर हैं। गौरतलब है कि भारत की जी-20 की अध्यक्षता मिलने के बाद से ही पड़ोसी देश और उसकी एजेंसी परेशान है।

महाराष्ट्र की सत्ता पर बेईमान और चोर बैठे, शिवसेना उनके खिलाफ कोर्ट गई : राउत

मुंबई । महाराष्ट्र में सियासी राजनीति बवाल कई महीनों से जारी है। सियासी राजनीति खींचतान के बीच उद्धव गुट ने नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने शिंदे गुट को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की सत्ता पर बेईमान और चोर बैठे हैं, उनके खिलाफ शिवसेना कोर्ट में गई है। मामला सुप्रीम कोर्ट में है। राउत ने भरोसा जताया है कि जिस तरह से सुनवाई चल रही है उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। शिवसेना का नाम और चुनाव चिह्न हाथ से जाने के बाद महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे को सोमवार को एक और बढ़ा झटका लगा। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के वरिष्ठ नेता सुभाष देसाई के बेटे भूषण महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए। ठाकरे के प्रमुख सहयोगी देसाई ने इस घटनाक्रम को चिंताजनक बताया। उन्होंने कहा कि उनके बेटे के कदम से पार्टी और ठाकरे परिवार के प्रति उनकी वफादारी में कोई बदलाव नहीं आएगा।

राजस्थान का युवा पूरे देश में किसी मामले में पीछे नहीं, छात्रसंघ कार्यालय के उद्घाटन समारोह में बोले गहलोत

(एजेंसी)

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि सरकार चाहती है कि राजस्थान का युवा पूरे देश में किसी मामले में पीछे नहीं रहे, उसी ढंग की सुविधाएं यहां बन रही हैं। जयपुर में राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर में विधि महाविद्यालय छात्रसंघ कार्यालय के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए गहलोत ने कहा,''हम चाहते है कि प्रदेश का युवा अपना योगदान मानव संसाधन के रूप में प्रदेश और देश के लिये दे सके। उन्होंने युवाओं से कहा कि बचपन में की गई सामाजिक सेवा पूंजी के रूप में साथ चलेगी और इस बात को युवाओं को अपनी जेहन में रखना चाहिए कि जब कभी भी सेवा करने का मौका मिले तो आगे आकर सेवा का काम हाथ में लेना चाहिए.. उससे आपका खुद का व्यक्तित्व और कृतित्व में सुधार होगा और कामयाब होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने 500 करोड़ रुपये का युवा कल्याण कोष बनाया है और युवा नीति बनाई जा रही है।

हर जिले में मेडिकल कॉलेज बन रहे

उन्होने कहा कि देश में राजस्थान वह राज्य है जहां हर जिले में मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं। उनके अनुसार 30 जिले में काम चल रहा था और अभी बजट में तीन जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा सरकार ने कर दी है। उन्होंने कहा कि अब राजस्थान शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र मे पूरे देश में आज कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, यहां पर मेडिकल का भी हब बनता जा रहा है। उन्होंने कहा,'' हमारी योजनाओं की चर्चा पूरे देश में हो रही है।

डेढ लाख नौकरियां लग चुकी है

उन्होंने कहा कि बार पेपर लीक होने से सरकार की बदनामी भी होती है, लेकिन ऐसा

करने वालों को कड़ी सजा दिलाने के लिये सरकार ने कानून बना दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान वह राज्य है जिसने पेपर लीक करने वालों को जेल तक भेजा है और जयपुर में उनके भवन ध्वस्त कर दिये। उन्होंने कहा , ''राजस्थान में करीब तीन साढ़े तीन लाख नौकरियां हम लगा रहे है.. डेढ लाख लग चुकी है एक लाख प्रक्रियाधीन है और एक लाख की अभी और घोषणा की है।

एच3एन2 वायरस के कहर से चिंतित डॉक्टर, पांच साल से कम उम्र के बच्चों में असर

पुणे ।

महाराष्ट्र के पुणे में एच3एन2 वायरस को लेकर बच्चों की बढ़ती संख्या पर डॉक्टरों ने चिंता जाहिर की है। इसमें खासकर पांच साल से कम उम्र के बच्चों की गिनती ज्यादा ही है। जो कि संक्रमण के बाद इलाज के लिए अस्पताल आ रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि इन मरीजों पर विशेष रूप से एंटीबायोटिक दवाओं का खास असर नहीं हो रहा। इस साल जनवरी से पुणे में कुल 2,529 नमूनों की जांच की गई। जिसमें कि 428 (करीब 17 फीसदी) पॉजिटिव आए हैं। वहीं फरवरी के दूसरे पखवाड़े की बात करें तब इन्फ्लुएंजा ए वायरस में सबसे ज्यादा संख्या एच3एन2 इंफेक्शन को लेकर दर्ज की गई। एनआईवी की वैज्ञानिक डॉ. वर्षा पोतदार ने कहा कि नमूने पुणे जिले में गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम के लक्षणों वाले अस्पताल में भर्ती मरीजों के थे।

हम शिशुओं और स्कूली बच्चों को सबसे ज्यादा प्रभावित होते हुए देख रहे हैं। उनमें से कुछ को लिवर और ब्लड प्रेशर संबंधित समस्या भी थी। इसके बाद उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट, इनवेसिव या नॉन-इनवेसिव की जरूरत होती है। इनमें से ज्यादातर पांच साल से कम उम्र के बच्चे होते हैं। आम तौर पर बच्चों में सांस फूलने, खांसी और बुखार की शिकायतें आती हैं। एच3एन 2 के अलावा निमोनिया जैसे लक्षण भी स्थायी होते हैं। हम एडेनोवायरस के कारण आईसीयू में दाखिले देख रहे हैं। इसकी पुष्टि करते हुए दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल के इंटेंसिविस्ट डॉ. भरत पुरंदरे ने कहा, न केवल एच3एन2 मामलों में वृद्धि हुई है, बल्कि कोविड-19 और एच1एन1 रोगियों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। जिसके चलते सभी प्रकार की सांस संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं।

जहां आईसीएमआर निगरानी के अनुसार करीब 92 फीसदी बुखार के साथ, 86 फीसदी खांसी के साथ, 27 फीसदी सांस फूलने के साथ, 16 फीसदी घबराहट के साथ आते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि इसके अलावा 16 फीसदी मरीजों में निमोनिया के नैदानिक लक्षण थे।

केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा झटका, 18 माह का महंगाई भत्ता नहीं मिलेगा

नई दिल्ली ।

मोदी सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा झटका दिया है। दरअसल, केंद्र ने लोकसभा में बताया कि कोरोना के दौरान केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का रोका गया 18 माह का महंगाई भत्ता उन्हें नहीं दिया जाएगा। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने लिखित में जवाब देकर कहा कि केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) की तीन किस्तों का बकाया दिए जाने की कोई योजना नहीं है। चौधरी ने कहा कि केंद्र के विभिन्न कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के संघों ने 18 महीने के डीए और डीआर जारी करने के बारे में सरकार को कई आवेदन दिए थे।

मोदी सरकार ने कोरोना काल में केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने वाले महंगाई भत्ता और पेंशनभोगियों के महंगाई राहत पर रोक लगा दी गई थी। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री ने कहा कि 1 जनवरी 2020, 1 जुलाई 2020 और 1 जनवरी 2021 को जारी महंगाई भत्ते को रोकने का फैसला कोरोना महामारी से पैदा हुए आर्थिक व्यवधान के चलते लिया गया था, जिससे सरकार पर वित्तीय बोझ को कम किया जा सके। सरकार ने इसके द्वारा 34,402.32 करोड़ रुपये की धनराशि बचाई थी।

मंत्री के मुताबिक, महामारी काल में सरकार को कल्याणकारी योजनाओं के लिए काफी धन का प्रावधान करना पड़ा था। इसका असर 2020-21 और उसके बाद भी देखा गया है।

इससे साफ है कि करोड़ों सरकारी कर्मचारियों को इस खबर से जोर का झटका लगा है और उनकी एरियर मिलने की उम्मीद पर पानी फिर गया है। कर्मचारी लंबे समय से अपने बकाया डीए राशि का इंतजार कर रहे हैं और सरकार से इस पर जल्द फैसला लेने की मांग कर रहे थे।

डरा रहा एच3एन2 वायरस हरियाणा कर्नाटक के बाद अब गुजरात में पहली मौत

नई दिल्ली । देश में इस समय इन्फ्लूएंजा (फ्लू) का एच3एन2 वायरस काफी तेजी से फैल रहा है। इस वायरस से अब देश में तीसरी मौत की खबर आ रही है। यह मौत गुजरात के वडोदरा में हुई है। 58 वर्षीय महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। डॉक्टरों के मुताबिक महिला को पहले से भी कई बीमारियां थीं। वह हाइपरटेंशन की मरीज थी और वेंटीलेटर पर थी। इस वायरस से हरियाणा और कर्नाटक में दो मरीजों की पहले ही मौत हो चुकी है। दिल्ली से लेकर देश के अलग-अलग राज्यों में इन्फ्लूएंजा के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। डॉक्टरों के मुताबिक एच3एन2 इन्फूलएंजा ए का ही एक सब टाइप है जो इस बार काफी सक्रिय हो गया है। इस वायरस से ग्रसित मरीजों में वैसे तो लक्षण सर्दी-जुकाम के ही दिखते हैं लेकिन वायरस धीरे-धीरेमरीज के फेफड़ों तक पहुंच जाता है। मरीज को सांस लेने में परेशानी होने लगती है। डॉक्टर बताते हैं कि इस वायरस से 5 साल से छोटे बच्चे गर्भवती महिलाएं और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा खतरा होता है क्योंकि इनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है। अगर इस वायरस से ग्रसित मरीजों को समय पर इलाज न मिले तो उसकी जान भी जा सकती है। डॉक्टर की माने तो इस मामले में बिलकुल भी लापरवाही न करें। मरीज को तत्काल अस्पताल लेकर आएं. डॉ. अरुण शाह के मुताबिक एच3एन2 वायरस से बचाव में फ्लू की वैक्सीन सबसे ज्यादा कारगर है। यह वैक्सीन शरीर में एंटीबॉडी बनाती है।

2 बार भारत आ सकते हैं पुतिन इंटरनेशनल सम्मेलन की तारीख बदली

नई दिल्ली । भारत में होनेवाले जी-20 शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के मौजूद रहने की संभावना बन गई है। रूस ने व्लादिवोस्तक में होने वाले ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम के सम्मेलन की तारीख में परिवर्तन कर दिया है। अब यह सम्मेलन 9-10 सितंबर के स्थान पर 12 से 15 सितंबर को होगा। रूस ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम की तारीख मैं परिवर्तन किया गया है। भारत में 9-10 सितंबर को जी-20 शिखर सम्मेलन होने वाला है। इससे भारत में पुतिन के आने की संभावना बन गई है। व्लादिमीर पुतिन भारत में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पर,यूक्रेन युद्ध के बाद पुतिन और पश्चिमी देशों के नेताओं का आमना-सामना होना तय है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने 2021 में इटली और 2022 में इंडोनेशिया के जी-20 शिखर सम्मलेनों में भाग नहीं लिया था। रूस के राष्ट्रपति पुतिन भारत की अध्यक्षता में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मलेन में भी हिस्सा लेने के आसार हैं। इस संबंध में जब क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेसकोव से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। अभी इस संबंध में कोई फैसला नहीं किया गया है। यूक्रेन की जंग को लेकर पश्चिमी शक्तियों के साथ रूस के बढ़ते टकराव और इस मुद्दे पर भारत की कूटनीतिक पहल के बीच यह बैठक महत्वपूर्ण होगी।

लोको पायलट सुरेखा यादव वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन करने वाली पहली महिला बनी

मुंबई । एशिया की पहली महिला लोको पायलट सुरेखा यादव के नाम एक और उपलब्धि जुड़ी है, क्योंकि वह हाल में शुरू हुई सेमी-हाई स्पीड 'वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन करने वाली पहली महिला बन गई हैं। मध्य रेलवे ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने सोमवार को सोलापुर स्टेशन और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) के बीच इस सेमी-हाई स्पीड ट्रेन का संचालन किया। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रेन 13 मार्च को निर्धारित समय पर सोलापुर स्टेशन से रवाना हुई और आगमन के निर्धारित समय से पांच मिनट पहले सीएसएमटी स्टेशन पहुंची। विज्ञप्ति में कहा गया है, कि 450 किलोमीटर की यात्रा पूरी करने पर सुरेखा यादव को सीएसएमटी स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या आठ पर सम्मानित किया गया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्वीट किया 'वंदे भारत' नारी शक्ति द्वारा संचालित। पहली महिला लोको पायलट श्रीमती सुरेखा यादव ने 'वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन किया। मध्य रेलवे ने कहा, ''वंदे भारत एक्सप्रेस की पहली महिला लोको पायलट बनकर यादव ने मध्य रेलवे के इतिहास में एक और उपलब्धि जोड़ दी है। पश्चिमी महाराष्ट्र क्षेत्र में सतारा निवासी यादव 1988 में भारत की पहली महिला ट्रेन ड्राइवर बनी थीं। उन्होंने अपनी उपलब्धियों के लिए राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अब तक कई पुरस्कार जीते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार वेदप्रताप वैदिक का निधन, 78 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली । वरिष्ठ पत्रकार डॉ. वेदप्रताप वैदिक अब इस दुनिया में नहीं रहे। वह करीब 78 साल के थे। वह बाथरूम में मृत पाये गये। सुबह करीब साढ़े नौ बजे परिवार के लोगों ने दरवाजा तोड़ा, तब वे अंदर बेसुध मिले। इसके बाद उन्हें घर के पास ही स्थित प्रतीक्षा अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उनका चैकअप कर बताया कि उनका निधन कई घण्टे पूर्व हो चुका है। खबर मिलने के बाद इंदौर से करीबी रिश्तेदार दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं! डॉ. वैदिक पत्रकारिता ने राजनीतिक चिंतन, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, और हिंदी के लिये लंबे समय तक काम किया। डॉक्टर वैदिक का जन्म 30 दिसंबर 1944 को मध्यप्रदेश के इंदौर में हुआ था। अंतरराष्ट्रीय मामलों में जानकार होने के साथ ही उनकी रुसी, फारसी, जर्मन और संस्कृत भाषा पर अच्छी खासी पकड़ रही। डॉ. वैदिक ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के 'स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज' से अंतरराष्ट्रीय राजनीति में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। वे भारत के ऐसे पहले विद्वान हैं, जिन्होंने अपना अंतरराष्ट्रीय राजनीति का शोध-ग्रंथ हिंदी में लिखा। उन्होंने अपनी पीएचडी के शोधकार्य के दौरान न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी, मॉस्को के 'इंस्तीतूते नरोदोव आजी', लंदन के 'स्कूल ऑफ ओरियंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज़' और अफगानिस्तान के काबुल विश्वविद्यालय में अध्ययन और शोध किया। डॉ. वैदिक ने पत्रकारिता के क्षेत्र में नई दुनिया से केरियर शुरू किया। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर के सामाचार पत्रों में संपादक के पद पर रहे। वर्ष 1998 से वह ईएमएस न्यूज एजेंसी (एक्सप्रेस मीडिया सर्विस) में नियमित रूप से विभिन्न विषयों पर अपने लेख देते रहे हैं। जो भारत के सैकड़ों

समाचार पत्र में नियमित प्रकाशित होते थे। डॉ. राममनोहर लोहिया, मधु लिमये, आचार्य कृपालानी, इंदिरा गांधी, गुरू गोलवलकर, दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी, चंद्रशेखर, हिरेन मुखर्जी, हेम बरूआ, भागवत झा आजाद, प्रकाशवीर शास्त्री, किशन पटनायक, डॉ. जाकिर हुसैन, रामधारी सिंह दिनकर, डॉ. धर्मवीर भारती, डॉ. हरिवंशराय बच्चन, प्रो. सिद्धेश्वर प्रसाद जैसे लोगों ने वैदिकजी का डटकर समर्थन किया।

भोपाल गैस त्रासदी मामले में केंद्र को बड़ा झटका, अधिक मुआवजे की मांग वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने 1984 भोपाल गैस त्रासदी पीड़ितों के लिए अतिरिक्त मुआवजे की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। केंद्र सरकार ने याचिका में भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों के लिए यूनियन कार्बाईड की उत्तराधिकारी कंपनियों से 7844 करोड़ रुपये अतिरिक्त मुआवजे दिलाने के लिए याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने अदालत को दिए गए केंद्र सरकार के वचन के अनुसार पीड़ितों के लिए बीमा पॉलिसी तैयार नही करने पर केंद्र सरकार को लताड़ लगाई।

सुप्रीम कोर्ट ने 1984 की भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों के लिए यूनियन कार्बाइड कंपनी की उत्तराधिकारी कंपनियों से 7400 करोड़ रुपये के अतिरिक्त मुआवजे की मांग की क्यूरेटिव पिटीशन मंगलवार को खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि याचिका कानून के तहत चलने योग्य नहीं है। इस मामले के तथ्यों में कोई दम नहीं है।

दो दशक बाद याचिका?

जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली 5 जजों की संविधान पीठ ने कहा कि समझौते के 2 दशक बाद केंद्र द्वारा इस याचिका को लाने का कोई औचित्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों के लिए रिजर्व बैंक के पास जमा 50 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग सरकार लंबित दावों को पूरा करने के लिए करे। पीठ ने कहा,दो दशक बाद इस मुद्दे को उठाने के लिए कोई तर्क प्रस्तुत नहीं करने के लिए केंद्र की याचिका से असंतुष्ट हैं। जस्टिस संजीव खन्ना, अभय एस ओका, विक्रम नाथ और जेके महेश्वर की बेंच ने भी 12 जनवरी को

केंद्र की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। केंद्र सरकार ने याचिका के माध्यम से 7,844 करोड़ रुपये की मांग की थी। केंद्र सरकार 1989 में समझौते के तहत अमेरिकी कंपनी से अतिरिक्त उत्तराधिकारी कंपनियों से 7,844 करोड़ रुपये और दिलाने की मांग की थी। उल्लेखनीय है 1984 की मध्यरात्रि को यूनियन कार्बाइड कारखाने से जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस के रिसाव में 3,000 से अधिक लोग मारे गए थे। भोपाल के करीब 1।02 लाख अधिक लोग इस गैस से प्रभावित हुए थे। 1989 में हुए समझौते के तहत यूनियन कार्बाइड ने मुआवजा राशि सरकार को दे दी थी।

मास्क पहनें, स्वच्छ रहें और फ्लू का टीका लें

-एच3एन2 वायरस को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों की अपील

नई दिल्ली ।

मास्क का उपयोग, हाथ की स्वच्छता, साथ ही साल में एक बार फ्लू का टीका लगवाएं। यह सुझाव भारत में एच3एन2 वायरस को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने दिए है। भारत में एच3एन2 वायरस के कारण होने वाले इन्फ्लुएंजा के मामलों में तेजी देखी जा रही है। आईडीएसपी-आईएचआईपी (एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच) पर उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 9 मार्च तक राज्यों द्वारा एच3एन2 सहित इन्फ्लुएंजा के विभिन्न उपप्रकारों के कुल 3,038 मामलों की पुष्टि की गई है। इसमें जनवरी में 1,245 मामले, फरवरी में 1,307 और 9 मार्च तक 486 मामले शामिल हैं। मैक्स अस्पताल, गुरुग्राम में एसोसिएट कंसल्टेंट - इंटरनल मेडिसिन, डॉ सुनील सेकरी ने कहा, मेरी राय में सरकार कम से कम अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्रों जैसे सार्वजनिक परिवहन, अस्पतालों, हवाईअड्डों, रेलवे स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक वाहनों में फिर से मास्क अनिवार्य कर सकती है। लोगों को भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचना चाहिए, घर में हों या बाहर, मास्क पहनना चाहिए। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के नेशनल कोविड-19 टास्क फोर्स के सह-अध्यक्ष डॉ. राजीव जयदेवन ने कहा, श्वसन वायरस बूंदों के माध्यम से फैलता है, जिसका अर्थ है कि स्त्राव एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है, और अधिकांश लोग किसी बिंदु पर अपनी नाक और मुंह को छूते हैं, या यह स्त्राव उंगलियों पर रह सकता है और जब वे अन्य लोगों से हाथ मिलाते हैं, विशेष रूप से भीड़भाड़ वाली इनडोर सभाओं में मास्क पहनने की जरूरत रहती है, क्योंकि संक्रमण फैलने की संभावना रहती है। इस बीच, चार महीने के बाद कोविड संक्रमण में भी उछाल दर्ज किया गया है, क्योंकि कोविड के 524 मामले सामने आए थे। संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. ईश्वर गिलादा ने कहा, पिछले तीन वर्षो से हमने सीखा है कि श्वसन संक्रमण को कैसे रोका जा सकता है, क्योंकि संक्रमण बाहर जाते हैं और नाक व मुंह से अंदर आते हैं, आपको इस क्षेत्र को कवर करने की जरूरत होती है और वह है मास्किंग। खासकर भीड़-भाड़ वाली जगहों पर उचित मास्क की जरूरत होती है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड-19 वायरस, स्वाइन फ्लू (एच1एन1), एच3एन2 और मौसमी विक्टोरिया और यामागाटा वंश के इन्फ्लुएंजा बी वायरस से लेकर परिसंचरण में श्वसन वायरस का संयोजन रहा है। एच3एन2 और एच1एन1 दोनों प्रकार के इन्फ्लुएंजा ई वायरस हैं, जिन्हें आमतौर पर फ्लू के रूप में जाना जाता है। कुछ सबसे आम लक्षणों में लंबे समय तक बुखार, खांसी, नाक बहना और शरीर में दर्द शामिल हैं। लेकिन गंभीर मामलों में लोगों को सांस फूलने और/या घरघराहट का भी अनुभव हो सकता है।

पुरानी पेंशन की मांग को लेकर मचा महाराष्ट्र में संग्राम

- 17 लाख कर्मचारी हड़ताल पर

मुंबई ।

पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने को लेकर महाराष्ट्र सरकार और सरकारी कर्मचारियों के बीच संग्राम की रणभेरी बज गई है। सरकारी स्कूलों, कॉलेजों के शिक्षकों के साथ 17 लाख से अधिक राज्य सरकार के कर्मचारी हड़ताल पर होंगे। मंगलवार से पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की मांग पर हड़ताल पर चले जाएंगे। इस हड़ताल का सबसे ज्यादा असर परीक्षाओं पर पड़ने की संभावना है। स्कूलों और जूनियर कॉलेजों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी बुई अनिश्चितकालीन हड़ताल मैं भाग ले रहे हैं। जिसके कारण परीक्षा एवं मूल्यांकन ओर परिणाम प्रभावित होंगे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ बातचीत के बाद सोमवार को बुधवार से हड़ताल पर जाने की पुष्टि की है। सरकार ने कर्मचारी संगठनों से कहा है,मांग का अध्ययन करने के लिए एक समिति का गठन करेंगे। कर्मचारी संघ के महासचिव विश्वास काटकर ने कहा संगठन आश्वासन नहीं चाहते हैं। हम एक नीति की घोषणा चाहते हैं। सरकार ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करे।

काटकर ने कहा इस हड़ताल में राज्य सरकार, जिला परिषदों, नगर परिषदों के कर्मचारी और राज्य सरकार के स्कूलों और कॉलेजों के शिक्षक भी हड़ताल का हिस्सा होंगे। सोमवार को शिंदे और फडणवीस के साथ-साथ विधानसभा में विपक्ष के नेता अजीत पवार और विधान परिषद के नेता अंबादास दानवे ने भी कर्मचारी संगठनों के विभिन्न पदाधिकारियों से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा सरकार ओल्ड पेंशन स्कीम का अध्ययन करने और रिपोर्ट देने के लिए अधिकारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की एक समिति गठित करेगी। उन्होंने कहा सरकार ओपीएस की मांग के खिलाफ नहीं है। सरकार इसका समाधान ढूंढ़ना चाहती है।उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करने का फैसला वाले राज्यों ने अपना रोडमैप घोषित नहीं किया है। उन्होंने कहा 'सरकार पहले ही सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों के साथ कोई अन्याय न हो। इस पर भी विचार कर रही है।

संसद को सुचारू रूप से चलाने एक्टिव मोड में मोदी

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वरिष्ठ नेताओं संग बैठक की

नई दिल्ली ।

संसद के बजट सत्र का दूसरे चरण चल रहा है और फिर दोनों सदनों में राहुल से माफी की मांग को लेकर हंगामा जारी है। भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी से लंदन में भारत की छवि खराब करने को लेकर माफी की मांग की तो कांग्रेस ने अदाणी मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश की। लोकसभा और राज्यसभा, दोनों में राहुल से माफी की मांग की गई। इस बीच लोकसभा 2 बजे तक स्थगित कर दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए आज वरिष्ठ नेताओं संग बैठक की। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, पीयूष गोयल, नरेंद्र सिंह तोमर, किरेन रिजिजू, अनुराग ठाकुर और नितिन गडकरी सहित शीर्ष मंत्री इस बैठक में मौजूद रहे। दो भारतीय फिल्मों को ऑस्कर मिलने पर राज्यसभा में बधाई दी गई है। राज्यसभा में जया बच्चन सहित विभिन्न नेताओं ने कहा कि भारतीय फिल्म जगत का नाम इससे रोशन हुआ है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार खुद सदन नहीं चलाना चाहती। ऐसा नजारा कभी नहीं देखा कि सरकार के मंत्रियों ने सदन को ठप करने के लिए हंगामा किया हो। अधीर ने कहा कि राहुल गांधी आखिर माफी क्यों मांगेंगे? उन्होंने कोई गुनाह किया है? माफी तो सरकार के लोगों को मांगनी चाहिए।

आने वाले दिनों में देश के कई इलाकों में होगी बेमौसम बरसात

नई दिल्ली । देश के कई राज्यों में मार्च की शुरुआत में लोगों को बारिश देखने को मिली थी। इस बारिश ने बढ़ती गर्मी के बीच राहत जरूर दी। वहीं फिर देश के कई इलाकों में बेमौसम बरसात देखने को मिल सकती है। इस हफ्ते आने वाली बारिश लंबी हो सकती है। मध्य, पूर्व और दक्षिण भारत के हिस्सों में बरसात हो सकती है। वहीं उत्तरी मैदान की तरफ भी हल्की बूंदाबांदी देखी जा सकती है। निजी और सरकारी मौसम एजेंसियों ने बताया कि इस साल प्री-मॉनसून तय समय से पहले ही आ गया। इसकी वजह देश में तापमान का तेजी से बढ़ना है। अमूमन माना जाता है कि मार्च के दूसरे हाफ में प्री-मॉनसून दस्तक देता है लेकिन फरवरी में ज्यादा तापमान बढ़ने के चलते यह जल्दी आ गया। पूर्वी मध्य प्रदेश, तेलंगाना और उत्तर आंध्र प्रदेश में दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन के चलते भी मौसम में यह बदलाव देखने को मिल रहा है। वहीं पश्चिमी हिमालय की ओर हो रहे वेस्टर्न डिस्टरबेंस को भी एक बड़ी वजह माना जा सकता है। अनुमान के अनुसार मध्य, पूर्व और दक्षिण भारत में 13 मार्च से 18 मार्च के बीच बारिश देखने को मिल सकती है। इसके अलावा महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में ओले पड़ने की भी संभावना है। वहीं दक्षिणी मध्य प्रदेश, विदर्भ और मराठवाड़ा, तेलंगाना और उत्तरी कर्नाटक में गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है।

समलैंगिक विवाह का भारत में विरोध, कई देशों में है मान्यता

नई दिल्ली ।

समलैंगिक विवाह को मंजूरी देने की मांग वाली करीब 15 याचिकाओं पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को अपना जवाब दिया है। केंद्र सरकार ने सभी 15 याचिकाओं का विरोध किया। अपने हलफनामे में कहा कि समलैंगिक विवाह को मंजूरी नही दी जा सकती है क्योंकि यह एक भारतीय परिवार की अवधारणा के खिलाफ है। भारत में फैमिली का मतलब पति-पत्नी और उनसे पैदा हुए बच्चे हैं।समलैंगिक संबंधों को भारतीय परिवार इकाई की अवधारणा के साथ तुलना नहीं की जा सकती है। अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट आज सुनवाई करेगा। ह्यूमन राइट अभियान के अनुसार, अमेरिका में स्थित 'एलजीबीटीक्यू वकालत समूह' दुनिया भर में कुल 32 देशों में समलैंगिक विवाह को मान्यता देता है।

हालांकि कानूनी रूप से समलैंगिक विवाह को केवल 10 देशों में अदालत के फैसले से मान्यता मिली है। यहां सेम मैरिज को कानून द्वारा पेश किया गया था और उस पर अदालत द्वारा लीगल की मुहर लगाई गई। तो आइए जानते हैं उन देशों को जहां समलैंगिक विवाह को अपराध नहीं माना जाता। 2003 में मैसाचुसेट्स समान-लिंग विवाह को वैध बनाने वाला संयुक्त राज्य अमेरिका का पहला राज्य बन गया था।2015 तक सभी 50 राज्यों में कानूनी वैधता मिल चुकी थी, लेकिन देश में सेम सेक्स मैरिज बिल को कानून का रूप देने का काम 2022 में हुआ है।अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सेम सेक्स मैरिज बिल को कानून का रूप दे दिया है।उन्होंने इस बिल पर साइन कर समलैंगिक विवाह को मान्यता दे दी थी।इस दौरान बाइडेन ने कहा था कि अमेरिकी नागरिकों को इस पल का काफी लंबे समय से इंतजार था। 2017 में एक राष्ट्रव्यापी जनमत संग्रह के बाद, ऑस्ट्रेलिया की संसद ने समान लिंग-विवाह को मान्यता देने वाला कानून पारित किया था। जनमत संग्रह ने भारी समर्थन दिखाया - 62 प्रतिशत से 38प्रतिशत - कानून के पक्ष में।आयरलैंड और स्विट्जरलैंड में भी, एलजीबीटीक्यू विवाहों को भारी समर्थन मिला और लोकप्रिय वोटों से मैरिज को औपचारिक मान्यता प्रदान की गई। दक्षिण अफ्रीका 2006 में समलैंगिक विवाहों को वैध बनाने वाला पहला अफ्रीकी देश था।सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक फैसले के बाद पूर्व 'विषमलैंगिक-केवल विवाह' नीति को समान अधिकारों की गारंटी का उल्लंघन माना गया था। कनाडा में समान-सेक्स जोड़ों के विवाह को 1999 में मान्यता मिल गई थी, हालांकि यह कानूनी रूप से लीगल नहीं था।इस विषय पर कानूनी कार्रवाई 2003 में शुरू हुई, जिसने कनाडा के 13 प्रांतों और क्षेत्रों में से नौ में समलैंगिक विवाह को कानूनी बना दिया। इसे 2005 में कनाडा की संसद द्वारा औपचारिक रूप से मान्यता दी गई, जिसके बाद यह कानून पारित किया गया और पूरे देश में इसे कानूनी मान्यता मिल गई। 2019 में ताइवान समलैंगिक विवाह को मान्यता देने वाला पहला एशियाई देश बन गया था।2017 में एक अदालत के फैसले के बाद कानून लाया गया था।

अखंड रामायण पाठ करवाएगी यूपी सरकार

-हर जिले को मिलेंगे 1-1 लाख रुपये

लखनऊ ।

उत्तरप्रदेश में नवरात्रि में दुर्गा सप्तशती और रामनवमी पर देवी मंदिरों, शक्तिपीठों में दुर्गा सप्तशती पाठ देवी गायक देवी जागरण, झांकियां अखंड रामायण का पाठ का आयोजन होगा। उत्तरप्रदेश के जिला तहसील और ब्लॉक स्तर पर देवी आयोजन समितियां गठित की जाएगी। योगी सरकार सांस्कृतिक आयोजनों के लिए हर जिले को एक-एक लाख रुपये कराएगी मुहैया। यूपी के सभी डीएम को देवी मंदिर और शक्ति पीठों में कलाकार चयन और समितियां बनाने के निर्देश दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार, ज़िला, तहसील और ब्लॉक स्तर पर अखंड पाठ के आयोजन होंगे। इन आयोजनों में महिलाओं की सहभागिता को लेकर खास तवज्जो दी जाएगी। योगी सरकार ने जिले के अधिकारियों को 21 मार्च तक सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं।आदेशों में कहा गया है कि जिले के जिन मंदिरों में ये सरकारी आयोजन होंगे, उनका नाम पता और दूसरी अन्य जानकारी जिला प्रशासन जुटाएगा और पूरा विवरण लेने के बाद कार्यक्रम करवाए जाएंगे। इसके अलावा, जिला प्रशासन को आयोजन से जुड़ी तस्वीरें और अन्य जानकारी भी फोटो और वीडियो के साथ संस्कृति विभाग की वेबसाइट पर डालनी होगी।राज्य स्तर पर पूरे मसले पर दो नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं। इन पर कार्यक्रमों के सफलता पूर्वक आयोजन का जिम्मा रहेगा। सरकार ने डीएम से कहा है कि वह आयोजनों के लिए तहसील और जिला स्तर पर कमेटी बनाएं। डीएम इस कमेटी के अध्यक्ष होंगे।बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक गतिविधियों में कलाकार पेशकश देंगे।इस के लिए जो भी खर्च आएगा, उसका भुगतान सरकार करेगी और इसलिए विभाग ने एक-एक लाख रुपये का प्रावधान किया है।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेस को जोड़ेगा 1000 करोड़ का सी ब्रिज

मुंबई।

मुंबई ट्रांस-हार्बर लिंक(एमटीएचएल), जो कि भारत का सबसे बड़ा समुद्री ब्रिज है. उससे मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे से एक एलिवेटेड कॉरिडोर के जरिए जोड़ा जाएगा. यह जानकारी मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीए) के अधिकारियों ने दी है. मुंबई के इस मेगा प्रोजेक्ट के लिए एमएमआरडीए ने टेंडर मंगाए हैं. इस एलिवेटेड रोड की कीमत 1000 करोड़ रुपये है. इस लिंक के कई सड़कों पर ट्रैफिक कम होने की उम्मीद है, इस सी ब्रिज से मुंबई, नवी मुंबई, लोनावाला, पुणे और कई अन्य जगह से आने-जाने वाले हजारों यात्रियों को मदद मिलेगी. एमएमआरडीए के अधिकारियों ने कहा कि इस कॉरिडोर के बनने लोनावाला, खंडाला और मुंबई के बीच यात्रा के समय में 90 मिनट की बचत होगी. इसका चिर्ले में एक इंटरचेंज होगा. मुंबई ट्रांस-हार्बर लिंक का निर्माण पूरा होने वाला है और इसके साल 2023 के अंत तक खुलने की उम्मीद है. लंबे समय से लंबित 21.8 किमी मुंबई ट्रांस-हार्बर लिंक शिवरी को मुंबई और रायगढ़ को न्हावा शेवा को जोड़ता है. ये 6 लेन का फ्री वे ग्रेड ब्रिज है. इसकी 21.8 किमी में से 16.5 किमी की दूरी समुद्र के माध्यम से है. जबकि 5.5 किमी की दूरी जमीन पर है. इसका निर्माण पूरा हो जाने के बाद ये भारत का सबसे लंबा समुद्री ब्रिज होगा और इससे प्रतिदन 7000 वाहन गुजरेंगे. इस बीच मुंबई महानगरपालिका ईस्टर्न फ्रीवे को ग्रांट रोड से जोड़ने के लिए एक और एलिवेटेड रोड को जोड़ने का काम करेगा. एक अनुमान के मुताबिक इसमें 700 करोड़ रुपये का खर्च आएगा. ये एलिवेटेड रोड ईस्टर्न फ्रीवे (ऑरेंज गेट) को जे राठौड़ रोड, हैनकॉक ब्रिज, रामचंद्र भट्ट मार्ग (जेजे फ्लाईओवर के ऊपर) और मौलाना शौकत अली रोड से गुजरते हुए फ्रेरे ब्रिज ईस्ट से जोड़ेगी.

बंगाल मे एडेनोवायरस से 4 बच्चों ने तोड़ा दम, ढाई माह में 147 की मौत

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल में एडेनोवायरस से कोलकाता के एक अस्पताल से रविवार रात ओर सोमवार के दोपहर तक चार बच्चों के मौत की सूचना मिली है। अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है।

बीसी। रॉय चिल्ड्रन हॉस्पिटल में हुई चार मौतें एडेनोवायरस से होना बताई जा रही है। चारों बच्चों को खांसी, सर्दी और सांस लेने में गंभीर लक्षणों के साथ भर्ती कराया गया था। पिछले सप्ताह , मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मीडियाकर्मियों को बताया कि एडेनोवायरस से संबंधित कुल 19 बच्चों के मौत की जानकारी दी थी। जिनमें छह बच्चों की मौत के वायरस से मौत होने की पुष्टि हुई थी। राज्य के स्वास्थ्य विभाग द्वारा 11 मार्च को जारी अधिसूचना में भी यही आंकड़ा बताया था। उसके बाद बच्चों की मौत का कोई आंकड़ा अपडेट नहीं किया गया है।

अस्पताल सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जनवरी की शुरुआत से अभी तक 147 मौतों की जानकारी दी गई है। वायरस से संक्रमित बच्चों को भर्ती करने का दबाव बी.सी. रॉय चिल्ड्रन हॉस्पिटल में सबसे ज्यादा रहता है। सबसे ज्यादा बच्चों की मौत की रिपोर्ट कलकत्ता मेडिकल कॉलेज और अस्पताल से मिली है।

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च,नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हैजा एंड एंटरिक डिजीज के सर्वेक्षण से उजागर हुआ है, कि 1 जनवरी से मार्च तक पूरे देश में 38 प्रतिशत स्वैब के सैंपल एडेनोवायरस पॉजिटिव पाए गए हैं। पश्चिम बंगाल से अभी तक 9 की सूचना मिली है। जो अन्य राज्यों की तुलना में सबसे अधिक है। तमिलनाडु 19 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। केरल मे 13 दिल्ली मे 11 प्रतिशत और महाराष्ट्र 5 प्रतिशत के साथ, तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर है।

एडेनोवायरस के सामान्य लक्षण मे फ्लू,सर्दी, बुखार, सांस लेने में तकलीफ, गले में खराश, निमोनिया और तीव्र ब्रोंकाइटिस जैसे लक्षण पाए जाते हैं। दो साल और उससे कम उम्र के बच्चे इस वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

यह वायरस त्वचा के संपर्क से, हवा से खांसने और छींकने से और संक्रमित व्यक्ति के मल के माध्यम से फैलने की संभावनाएं जताई जा रही है। इस वायरस के इलाज के लिए कोई स्वीकृत दवा या कोई विशिष्ट उपचार अभी तक नहीं मिला है।

संक्षिप्त समाचार

रणदीप सुरजेवाला के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

वाराणसी । कांग्रेस के नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला के खिलाफ वाराणसी कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। कांग्रेस के 14 नेताओं के खिलाफ आरोप तय किए गए हैं। विशेष न्यायाधीश अवनीश गौतम की अदालत में, सोमवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए गैर जमानती वारंट जारी करने का आदेश दिया। अब इस मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को होगी। बहुचर्चित संवासिनी कांड में कांग्रेस नेताओं को आरोपी बनाए जाने के विरोध में 21 अगस्त 2000 को भारतीय युवा कांग्रेस के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष रणदीप सिंह सुरजेवाला और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आयुक्त कार्यालय परिसर मेंप्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान आयुक्त कार्यालय में घुसकर तोड़फोड़ और हंगामा करने के आरोप में पुलिस ने मौके से सुरजेवाला सहीत कई नेताओं को गिरफ्तार किया था। इसी मामले मे सोमवार को आरोप तय किए जाने थे। सुरजेवाला की ओर से संसद की कार्यवाही का हवाला देते हुए अन्य तारीख देनेआवेदन प्रस्तुत किया गया था। अदालत ने उनके प्रार्थना पत्र को निरस्त करते हुए, विशेष न्यायाधीश अवनीश गौतम की अदालत ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया।

पश्चिम बंगाल में रोजाना भर्ती हो रहे 600 से ज्यादा एक्यूट रेस्पिरेटरी के मरीज

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में पिछले ढाई महीने में तीव्र श्वसन (एक्यूट रेस्पिरेटरी) संक्रमण के कुल 12,343 मामले सामने आए हैं। इनमें से अधिकतर मामले बच्चों में पाए गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब तक 19 लोगों की इस संक्रमण से मौत हुई है, जिनमें से 13 लोग पहले से गंभीर बीमारियों से पीड़ित थे। अे धिकारी ने कहा संक्रमण से अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में कम हुई है और अस्पतालों में प्रतिदिन इसके 800 मरीज की जगह अब हर दिन 600 मरीज भर्ती हो रहे हैं। राज्य के मुख्य सचिव एचके द्विवेदी की अध्यक्षता में एआरआई पर गठित एक उच्च स्तरीय कार्य बल ने बैठक की और फैसला किया कि निजी अस्पतालों में काम करने वाले चिकित्सकों और निजी चिकित्सकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिशियन अपने सदस्यों को इसको लेकर सतर्क करेंगे। उन्होंने कहा कि लक्षणों की शुरुआती पहचान के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सामान्य जानकारी और परामर्श दिया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि आशा कार्यकर्ताओं का घर-घर जाकर जागरूकता फैलाने का अभियान भी तेज किया जाएगा।

उपासना स्थल को घर में बदलना और कब्जे का दावा करना कानूनन गलत

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा सार्वजनिक उपासना स्थलों पर वहां के मौलवी पादरी इमाम पंडितों व सेवाकारों का कब्जा करना उसमें परिवार के साथ रहना और उसके निजी संपत्ति होने का दावा करना कानूनन गलत है। हाईकोर्ट ने कहा यह प्रथा चिंताजनक है और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए। हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी दिल्ली के इंडिया गेट के पास मान सिंह रोड पर मस्जिद जाब्ता गंज के बगल में स्थित एक प्रमुख संपत्ति पर दावे को खारिज करते हुए की। जस्टिस प्रतिभा एम सिंह ने कहा कुछ मामलों में अदालत ने देखा है कि कुछ उपासना स्थलों को आवंटित भूमि से आगे बढ़ाकर व्यावसायिक संपत्ति में परिवर्तित कर दिया जाता है। उस जगह के लिए अवैध और अनधिकृत तरीके से किराया/पट्टे की राशि वसूलने की भी मांग की जाती है। वर्तमान मामले को ही देख लें यह स्पष्ट नहीं है कि किस आधार पर याचिकाकर्ता ने 'श्रमिकों' के रूप में वर्णित इतने सारे व्यक्तियों को संपत्ति में शामिल किया और वे कई वर्षों तक संपत्ति पर कब्जा बनाए रहे। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को अनधिकृत कब्जाधारी बताते हुए उसकी याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने कहा याचिकाकर्ता ने दिल्ली वक्फ बोर्ड की संपत्ति पर अवैध कब्जा किया है।

दिल्ली में एच3एन2 के साथ बढ़े कोरोना के मामले संक्रमण दर तीन फीसदी के पार

नई दिल्ली । दिल्ली में एच3एन2 के मामले बढ़ने के साथ कोरोना के केस फिर से बढ़ने लगे है। सोमवार को इस साल में पहली बार 10 से अधिक मामले सामने आए। संक्रमण दर भी तीन फीसदी से अधिक रही। डॉक्टरों की मानें तो अभी घबराने की जरूरत नहीं है। एच3एन2 इन्फ्लूएंजा वायरस मजबूत हुआ है जिसके लक्षण कोरोना की तरह ही हैं। हालांकि यह ज्यादा प्रभावी नहीं है। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक सोमवार को कोरोना के 13 नए मामले सामने आए। यह आंकड़ा इस साल में सबसे अधिक है। इससे पहले 29 दिसंबर को 11 मामले सामने आए थे। रविवार को दिल्ली में 401 लोगों की कोरोना जांच हुई जिसमें 3.24 फीसदी लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। वहीं 14 मरीजों को छुट्टी दी गई। राहत की बात है कि किसी मरीज की कोरोना के कारण कोई मौत नहीं हुई। दिल्ली में कोरोना के 38 सक्रिय मरीज हैं। इनमें से 20 मरीज घरों में जबकि पांच मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। इन पांच मरीजों में से दो मरीज आईसीयू पर जबकि एक ऑक्सीजन सपोर्ट पर है।

राम रहीम का ऐलान, चुनाव में किस पार्टी का समर्थन नहीं करेगा डेरा सच्चा सौदा

चंडीगढ़ । डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम ने राजनीति से दूर होने की घोषणा की है। राम रहीम ने अपने डेरे के पॉलिटिकल विंग को भंग कर अपने अनुयायियों से कहा है कि अब डेरे का कोई राजनीतिक विंग नहीं होगा। इससे पहले पॉलिटिकल विंग फैसला करता था कि चुनाव में किस पार्टी का समर्थन करना है। डेरा सच्चा सौदा के पॉलिटिकल विंग का गठन वर्ष 2007 में हुए पंजाब विधानसभा चुनाव से एक साल पहले किया गया था। राम रहीम को 2017 में पहली बार सजा होने के बाद पिछले कुछ चुनाव में डेरा बीजेपी का समर्थन करता रहा है। लेकिन डेरा कभी खुलकर समर्थन नहीं करता है और मतदान से 24 घंटे पहले अपने अनुयायियों को संदेश पहुंचाता रहा है। अब 2024 के लोकसभा चुनाव से 9 महीने पहले डेरा प्रमुख राम रहीम ने पॉलिटिकल विंग भंग करने का फैसला लिया है। सूत्रों की मानें तब राम रहीम चाहता हैं कि डेरा अब समाजसेवा से जुड़े कामों पर ध्यान दे। राम रहीम के जेल से पैरोल पर बाहर आने को लेकर सियासी पार्टियां बीजेपी पर हमले करती रहती हैं। इसी तरह के विवाद से बचने के लिए राम रहीम ने पॉलिटिकल विंग भंग किया है।

मूंगफली की उन्नत खेती

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

मूंगफली भारत की मुखय महत्त्वपूर्ण तिलहनी फसल है। यह गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडू तथा कर्नाटक राज्यों में सबसे अधिक उगाई जाती है। अन्य राज्य जैसे मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान तथा पंजाब में भी यह काफी महत्त्वपूर्ण फसल मानी जाने लगी है।

भूमि एवं उसकी तैयारी

मूंगफली की खेती के लिये अच्छे जल निकास वाली, भुरभुरी दोमट व बलुई दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। मिट्टी पलटने वाले हल तथा बाद में कल्टीवेटर से दो जुताई करके खेत को पाटा लगाकर समतल कर लेना चाहिए।जमीन में दीमक व विभिन्न प्रकार के कीड़ों से फसल के बचाव हेतु क्विनलफोस 1.5 प्रतिशत 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से अंतिम जुताई के साथ जमीन में मिला देना चाहिए।

बीज एवं बुवाई

मूंगफली की बुवाई प्रायः मानसून शुरू होने के साथ ही हो जाती है। उत्तर भारत में यह समय सामान्य रूप से 15 जून से 15 जुलाई के मध्य का होता है। कम फैलने वाली किस्मों के लिये बीज की मात्रा 75-80 कि.ग्राम. प्रति हेक्टर एवं फैलने वाली किस्मों के लिये 60-70 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर उपयोग में लेना चाहिए बुवाई के बीज निकालने के लिये स्वस्थ फलियों का चयन करना चाहिए या उनका प्रमाणित बीज ही बोना चाहिए। बोने से 10-15 दिन पहले गिरी को फलियों से अलग कर लेना चाहिए।

बीज को बोने से पहले 3 ग्राम थाइरम या 2 ग्राम मेन्कोजेब या कार्बेण्डिजिम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहिए। इससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा प्रारम्भिक अवस्था में लगने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों से बचाया जा सकता है। दीमक और सफेद लट से बचाव के लिये क्लोरोपायरिफास (20 ई.सी.) का 12.50 मि.ली. प्रति किलो बीज का उपचार बुवाई से पहले कर लेना चाहिए। मूंगफली को कतार में बोना चाहिए। गुच्छे वाली/कम फैलने वाली किस्मों के लिये कतार से कतार की दूरी 30 से.मी. तथा फैलने वाली किस्मों के लिये 45 से.मी.रखें। पौधों से पौधों की दूरी 15 से. मी. रखनी चाहिए। बुवाई हल के पीछे, हाथ से या सीडड्रिल द्वारा की जा सकती है। भूमि की किस्म एवं नमी की मात्रा के अनुसार बीज जमीन में 5-6 से.मी. की गहराई पर बोना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक

उर्वरकों का प्रयोग भूमि की किस्म, उसकी उर्वराशक्ति, मूंगफली की किस्म, सिंचाई की सुविधा आदि के अनुसार होता है। मूंगफली दलहन परिवार की तिलहनी फसल होने के नाते इसको सामान्य रूप से नाइट्रोजनधारी उर्वरक की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी हल्की मिट्टी में शुरूआत की बढ़वार के लिये 15-20 किग्रा नाइट्रोजन तथा 50-60 कि.ग्रा. फास्फोरस प्रति हैक्टर के हिसाब से देना लाभप्रद होता है। उर्वरकों की पूरी मात्रा खेत की तैयारी के समय ही भूमि में मिला देना चाहिए। यदि कम्पोस्ट या गोबर की खाद उपलब्ध हो तो उसे बुवाई के 20-25 दिन पहले 5 से 10 टन प्रति हैक्टर खेत मे बिखेर कर अच्छी तरह मिला देनी चाहिए। अधिक उत्पादन के लिए अंतिम जुताई से पूर्व भूमि में 250 कि.ग्रा.जिप्सम प्रति हैक्टर के हिसाब से मिला देना चाहिए।

नीम की खल का प्रयोग

नीम की खल के प्रयोग का मूंगफली के उत्पादन में अच्छा प्रभाव पड़ता है। अंतिम जुताई के समय 400 कि.ग्रा. नीम खल प्रति हैक्टर के हिसाब से देना चाहिए। नीम की खल से दीमक का नियंत्रण हो जाता है तथा पौधों को नत्रजन तत्वों की पूर्ति हो जाती है। नीम की खल के प्रयोग से 16 से 18 प्रतिशत तक की उपज में वृद्धि, तथा दाना मोटा होने के कारण तेल प्रतिशत में भी वृद्धि हो जाती है। दक्षिण भारत के कुछ स्थानों में

अधिक उत्पादन के लिए जिप्सम भी प्रयोग में लेते हैं।

सिंचाई

मूंगफली खरीफ फसल होने के कारण इसमें सिंचाई की प्रायः आवश्यकता नहीं पड़ती। सिंचाई देना सामान्य रूप से वर्षा के वितरण पर निर्भर करता हैं फसल की बुवाई यदि जल्दी करनी हो तो एक पलेवा की आवश्यकता पड़ती है। यदि पौधों में फूल आते समय सूखे की स्थिति हो तो उस समय सिंचाई करना आवश्यक होता है। फलियों के विकास एवं गिरी बनने के समय भी भूमि में पर्याप्त नमी की आवश्यकता होती है। जिससे फलियाँ बड़ी तथा खूब भरी हुई बनें। अतः वर्षा की मात्रा के अनुरूप सिंचाई की जरूरत पड़ सकती है।

मूंगफली की फलियों का विकास जमीन के अन्दर होता है। अतः खेत में बहुत समय तक पानी भराव रहने पर फलियों के विकास तथा उपज पर बुरा असर पड़ सकता है। अतः बुवाई के समय यदि खेत समतल न हो तो बीच-बीच में कुछ मीटर की दूरी पर हल्की नालियाँ बना देना चाहिए। जिससे वर्षा का पानी खेत में बीच में नहीं रूक पाये और अनावश्यक अतिरिक्त जल वर्षा होते ही बाहर निकल जाए।

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण का इस फसल के उत्पादन में बड़ा ही महत्त्व है। मूंगफली के पौधे छोटे होते हैं। अतः वर्षा के मौसम में सामान्य रूप से खरपतवार से ढक जाते हैं। ये खरपतवार पौधों को बढ़ने नहीं देते। खरपतवारों से बचने के लिये कम से कम दो बार निराई गुड़ाई की आवश्यकता पड़ती है। पहली बार फूल आने के समय दूसरी बार 2-3 सप्ताह बाद जबकि पेग (नस्से) जमीन में जाने लगते हैं। इसके बाद निराई गुड़ाई नहीं करनी चाहिए। जिन खेतों में खरपतवारों की ज्यादा समस्या हो तो बुवाई के 2 दिन बाद तक पेन्डीमेथालिन नामक खरपतवारनाशी की 3 लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिड़काव कर देना चाहिए।

फसल चक्र

असिंचित क्षेत्रों में सामान्य रूप से फैलने वाली किस्में ही उगाई जाती हैं जो प्रायः देर से तैयार होती है। ऐसी दशा में सामान्य रूप से एक फसल ली जाती है। परन्तु गुच्छेदार तथा शीघ्र पकने वाली किस्मों के उपयोग करने पर अब साथ में दो फसलों का उगाया जाना ज्यादा संभव हो रहा है। सिंचित क्षेत्रों में सिंचाई करके जल्दी बोई गई फसल के बाद गेहूँ की खासकर देरी से बोई जाने वाली किस्में उगाई जा सकती हैं।

रोग नियंत्रण

उगते हुए बीज का सड़न रोगः कुछ रोग उत्पन्न करने वाले कवक (एर्र्स्पर्जिलस नाइजर, एर्र्स्पर्जिलस फ्लेवस आदि) जब बीज उगने लगता है उस समय इस पर आक्रमण करते हैं। इससे बीज पत्रों, बीज पत्राधरों एवं तनों पर गोल हल्के भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। बाद में ये धब्बे मुलायम हो जाते हैं तथा पौधे सड़ने लगते हैं और फिर सड़कर गिर जाते हैं। फलस्वरूप खेत में पौधों की संखया बहुत कम हो जाती है और जगह-जगह खेत खाली हो जाता है। खेत में पौधों की भरपूर संखया के लिए सामान्य रूप से मूंगफली के प्रमाणित बीजों को बोना चाहिए। अपने बीजों को बोने से पहले 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहि।

रोजेट रोग

रोजेट (गुच्छरोग) मूंगफली का एक विषाणु (वाइरस) जनित रोग है इसके प्रभाव से पौधे अति बौने रह जाते हैं साथ पत्तियों में ऊतकों का रंग पीला पड़ना प्रारम्भ हो जाता है। यह रोग सामान्य रूप से विषाणु फैलाने वाली माहूँ से फैलता है अतः इस रोग को फैलने से रोकने के लिए पौधों को जैसे ही खेत में दिखाई दें, उखाड़कर फेंक देना चाहिए। इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 3 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए।

टिक्का रोग

यह इस फसल का बड़ा भयंकर रोग है। आरम्भ में पौधे के नीचे वाली पत्तियों के ऊपरी सतह पर गहरे भूरे रंग के छोटे-छोटे गोलाकार धब्बे दिखाई पड़ते हैं ये धब्बे बाद में ऊपर की पत्तियों तथा तनों पर भी फैल जाते हैं। संक्रमण की उग्र अवस्था में पत्तियाँ सूखकर झड़ जाती हैं तथा केवल तने ही शेष रह जाते हैं।

इससे फसल की पैदावार काफी हद तक घट जाती है। यह बीमारी सर्कोस्पोरा परसोनेटा या सर्कोस्पोरा अरैडिकोला नामक कवक द्वारा उत्पन्न होती है। भूमि में जो रोगग्रसित पौधों के अवशेष रह जाते हैं उनसे यह अगले साल भी फैल जाती है इसकी रोकथाम के लिए डाइथेन एम-45 को 2 किलोग्राम एक हजार लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से दस दिनों के अन्तर पर दो-तीन छिड़काव करने चाहिए।

कीट नियंत्रण

रोमिल इल्ली

रोमिन इल्ली पत्तियों को खाकर पौधों को अंगविहीन कर देता है। पूर्ण विकसित इल्लियों पर घने भूरे बाल होते हैं। यदि इसका आक्रमण शुरू होते ही इनकी रोकथाम न की जाय तो इनसे फसल की बहुत बड़ी क्षति हो सकती है। इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक है कि खेत में इस कीड़े के दिखते ही जगह-जगह पर बन रहे इसके अण्डों या छोटे-छोटे इल्लियों से लद रहे पौधों या पत्तियों को काटकर या तो जमीन में दबा दिया जाय या फिर उन्हें घास-फूँस के साथ जला दिया जाय। इसकी रोकथाम के लिए क्विनलफास 1 लीटर कीटनाशी दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल बना प्रति हैक्टर छिड़काव करना चाहिए।

मूंगफली की माहु

सामान्य रूप से छोटे-छोटे भूरे रंग के कीड़े होते हैं। तथा बहुत बड़ी संखया में एकत्र होकर पौधों के रस को चूसते हैं। साथ ही वाइरस जनित रोग के फैलाने में सहायक भी होती है। इसके नियंत्रण के लिए इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए

लीफ माइनर

लीफ माइनर के प्रकोप होने पर पत्तियों पर पीले रंग के धब्बे दिखाई पड़ने लगते हैं। इसके गिडार पत्तियों में अन्दर ही अन्दर हरे भाग को खाते रहते हैं और पत्तियों पर सफेद धारियॉ सी बन जाती हैं। इसका प्यूपा भूरे लाल रंग का होता है इससे फसल की काफी हानि हो सकती हैं। मादा कीट छोटे तथा चमकीले रंग के होते हैं मुलायम तनों पर अण्डा देती है। इसकी रोकथाम के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल छिड़काव कर देना चाहिए।

सफेद लट

मूंगफली को बहुत ही क्षति पहुँचाने वाला कीट है। यह बहुभोजी कीट है इस कीट की ग्रव अवस्था ही फसल को काफी नुकसान पहुँचाती है। लट मुखय रूप से जड़ों एवं पत्तियों को खाते हैं जिसके फलस्वरूप पौधे सूख जाते हैं। मादा कीट मई-जून के महीनें में जमीन के अन्दर अण्डे देती है। इनमें से 8-10 दिनों के बाद लट निकल आते हैं। और इस अवस्था में जुलाई से सितम्बर-अक्टूबर तक बने रहते हैं। शीतकाल में लट जमीन में नीचे चले जाते हैं और प्यूपा फिर गर्मी व बरसात के साथ ऊपर आने लगते हैं। क्लोरोपायरिफास से बीजोपचार प्रारंभिक अवस्था में पौधों को सफेद लट से बचाता है। अधिक प्रकोप होने पर खेत में क्लोरोपायरिफास का प्रयोग करें । इसकी रोकथाम फोरेट की 25 किलोग्राम मात्रा को प्रति हैक्टर खेत में बुवाई से पहले भुरका कर की जा सकती है।

बीज उत्पादन

मूंगफली का बीज उत्पादन हेतु खेत का चयन महत्त्वपूर्ण होता है। मूंगफली के लिये ऐसे खेत चुनना चाहिए जिसमें लगातार 2-3 वर्षो से मूगंफली की खेती नहीं की गई हो भूमि में जल का अच्छा प्रबंध होना चाहिए। मूंगफली के बीज उत्पादन हेतु चुने गये खेत के चारों तरफ 15-20 मीटर तक की दूरी पर मूंगफली की फसल नहीं होनी चाहिए। बीज उत्पादन के लिये सभी आवश्यक कृषि क्रियायें जैसे खेत की तैयारी, बुवाई के लिये अच्छा बीज, उन्नत विधि द्वारा बुवाई, खाद एवं उर्वरकों का उचित प्रयोग, खरपतवारों एवं कीड़े एवं बीमारियों का उचित नियंत्रण आवश्यक है। अवांछनीय पौधों की फूल बनने से पहले एवं फसल की कटाई के पहले निकालना आवश्यक है। फसल जब अच्छी तरह पक जाय तो खेत के चारों ओर का लगभग 10 मीटर स्थान छोड़कर फसल काट लेनी चाहिए तथा सुखा लेनी चाहिए। दानों में 8-10 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होनी चाहिए। मूंगफली को ग्रेडिंग करने के बाद उसे कीट एवं कवक नाशी रसायनों से उपचारित करके बोरों में भर लेना चाहिए। इस प्रकार उत्पादित बीज को अगले वर्ष की बुवाई के लिये उपयोग में लिया जा सकता है।

कटाई एवं गहाई

सामान्य रूप से जब पौधे पीले रंग के हो जायें तथा अधिकांश नीचे की पत्तियॉ गिरने लगे तो तुरंत कटाई कर लेनी चाहिए। फलियों को पौधों से अलग करने के पूर्व उन्हें लगभग एक सप्ताह तक अच्छी प्रकार सुखा लेना चाहिए। फलियों को तब तक सुखाना चाहिए जब तक उनमें नमी की मात्रा 10 प्रतिशत तक न हो जायें क्योंकि अधिक नमी वाली फलियों को भंडारित करने पर उस पर बीमारियों का खासकर सफेद फंफूदी का प्रकोप हो सकता है।

उपज एवं आर्थिक लाभ

उन्नत विधियों के उपयोग करने पर मूंगफली की सिंचित क्षेत्रों में औसत उपज 20-25 क्विण्टल प्रति हेक्टर प्राप्त की जा सकती है। इसकी खेती में लगभग 25-30 हजार रुपये प्रति हेक्टर का खर्चा आता हैं। मूंगफली का भाव 30 रुपये प्रतिकिलो रहने पर 35 से 40 हजार रुपये प्रति हेक्टर का शुद्ध लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

ग्वार की उन्नतशील खेती

भूमिका

ग्वार की खेती देश के पश्चिमी भाग के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए ग्वार एक अति महत्वपूर्ण फसल है। यह सूखा सहन करने के अतिरिक्त अधिक तापक्रम को भी सह लेती है। भारत में ग्वार की खेती प्रमुख रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात व उत्तर प्रदेश में की जाती है। सब्जी वाली ग्वार की फसल से बुवाई के 55-60 दिनों बाद कच्ची फलियां तुड़ाई पर आ जाती हैं। अतः ग्वार के दानों और ग्वार चूरी को पशुओं के खाने और प्रोटीन की आपूर्ति के लिए भी प्रयोग किया जाता है। ग्वार की फसल वायुमंडलीय नाइट्रोजन का भूमि में स्थिरीकरण करती है। अतः ग्वार जमीन की ताकत बढ़ाने में भी उपयोगी है।

फसल चक्र में ग्वार के बाद ली जाने वाली फसल की उपज हमेशा बेहतर मिलती है। ग्वार खरीफ ऋतु में उगायी जाने वाली एक बहु-उपयोगी फसल है। ग्वार कम वर्षा और विपरीत परिस्थितियों वाली जलवायु में भी आसानी से उगायी जा सकती है। ग्वार की एक प्रमुख विशेषता यह भी है कि यह उन मृदाओं में आसानी से उगायी जा सकती है जहां दूसरी फसलें उगाना अत्यधिक कठिन है। अतः कम सिंचाई वाली परिस्थितियों में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। भारत विश्व में सबसे अधिक ग्वार की फसल उगाने वाला देश है। दलहनी फसलों में ग्वार का भी विशेष योगदान है। यह फसल राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात,हरियाणा प्रदेशो में ली जाती हैं।

उन्नतशील प्रजातियॉं

बुन्देल ग्वार-1, बुन्देल ग्वार-2, बुन्देल ग्वार-3, आर.जी.सी.-986, आर.जी.सी.-1002 एवं आर.जी.
सी.-1003

बुआई का समय

जुलाई के पहले पखवाड़े/या मानसून प्रारम्भ के बाद।

भूमि का चुनाव

अच्छे जलनिकास व उच्च उर्वरता वाली दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। खेत में पानी का ठहराव
फसल को भारी हानि पहुँचाता है।

खेत की तैयारी

से 2-3 जुताई अथवा हैरो से करना उचित रहता है।
उर्वरक
प्रति हैक्टर 20 किग्रा नाइटरोजन, 40-60 किग्रा फास्फोरस की आवश्यकता होती है।

बीजशोधन

मृदाजनित रोगों से बचाव के लिए बीजों को 2 ग्राम थीरम व 1 ग्राम कार्वेन्डाजिम प्रति कि0ग्राम अथवा 3 ग्राम थीरम प्रति कि0ग्राम की दर से शोधित करके बुआई करें। बीजशोधन बीजोपचार से 2-3 दिन पूर्व करें।

बीजोपचार

राइजोबियम कल्चर से बीजोपचार करना फायदेमन्द रहता है।

दूरी

पंक्ति से पंक्ति - 45 सेमी (सामान्य) 30 से.मी. (देर से बुआई करने पर
पौध से पौध - 15-20 सेमी

बीजदर

15-20 किग्रा प्रति हे.।
सिंचाई एवं जल निकास
लम्बी अवधि तक वर्षा न होने पर 1-2 सिंचाई आवश्यकतानुसार।

खरपतवार नियंत्रण

खुरपी से 2-3 बार निकाई करनी चाहिए। प्रथम निकाई बोआई के 20-30 दिन के बाद एवं दूसरी 35-45 दिन के बाद करनी चाहिए। खरपतवारों की गम्भीर समस्या होने पर वैसलिन की एक कि.ग्रा. सक्रिय मात्रा को बोआई से पूर्व उपरी 10 से.मी. मृदा में अच्छी तरह मिलाने से उनका प्रभावी नियन्त्रण किया जा सकता है।

ग्वार की फसल को खरपतवारों से पूर्णतया मुक्त रखना चाहिए। सामान्यतः फसल बुवाई के 10-12 दिन बाद कई तरह के खरपतवार निकल आते हैं जिनमें मौथा, जंगली जूट, जंगली चरी (बरू) व दूब-घास प्रमुख हैं। ये खरपतवार पोषक तत्वों, नमी, सूर्य का प्रकाश व स्थान के लिए फसल से प्रतिस्पर्धा करते हैं। परिणामस्वरूप पौधे का विकास व वृद्धि ठीक से नहीं हो पाती है। अतः ग्वार की फसल में समय-समय पर निराई-गडाई कर खरपतवारों को निकालते रहना चाहिए।

इससे पौधें की जड़ों का विकास भी अच्छा होता है तथा जड़ों में वायु संचार भी बढ़ता है। दाने वाली फसल में बेसालिन 1.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में बुवाई से पूर्व मृदा की ऊपरी 8 से 10 सेंमी सतह में छिड़काव कर खरपतवारों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके अलावा पेंडिमिथेलीन का 3 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के दो दिन बाद छिड़काव करना चाहिए। इसके लिए 700 से 800 लीटर पानी में बना घोल एक हेक्टेयर के लिए पर्याप्त होता है।

फसल सुरक्षा

कीट नियन्त्रण

जैसिड एवं बिहार हेयरी कैटरपिलर यह मुख्य शत्रु हैं। इसके अतिरिक्त मोयला, सफेद मक्खी,
हरातैला द्वारा भी फसल को नुकसान हो सकता है।
मोनोक्रोटोफास 36 डब्ल्यूएससी (0.06 प्रतिशत) का छिड़काव एक या दो बार करें।

ब्याधि नियन्त्रण

खरीफ के मौसम में बैक्टीरियल ब्लाइट सर्वाधिक नुकसान पहुँचाने वाली बीमारी है। एल्टरनेरिया
लीफ स्पाट एवं एन्थ्रैकनोज अन्य नुकसान पहुँचाने वाली बीमारियॉ हैं। एकीकृत ब्याधि नियन्त्रण हेतु निम्न उपाय अपनाने चाहिए।
रोग प्रतिरोधी प्रजातियों का प्रयोग।
बैक्टीरियल ब्लाइट के प्रभावी नियन्त्रण हेतु 56 डिग्री से0 पर गरम पानी में 10 मिनट तक बीजोपचार करना चाहिए।
एन्थ्रैकनोज एवं एल्टरनेरिया लीफ स्पाट पर नियन्त्रण हेतु डायथेन एम-45 (0.2प्रतिशत) का 15 दिन के अन्तराल पर एक हजार लीटर पानी में 2 कि.ग्रा. सक्रिय अवयव/है. के हिसाब से छिड़काव करना चाहिए।

उपज

उन्नत विधि से खेती करने पर 10-15 कुन्तल प्रति हे0 प्राप्त होती है।

संपादकीय

जीवन का विकास

हर जन्म लेने वाला मनुष्य विकास करता है । जब समझ आने लग जाती है तब मानव अपने चिन्तन से अपनी प्रतिभा का विकास करते हुए जीवन को विकसित करने लग जाता है । सतर्कता और बुद्धिमता जीवन के विकास में सफलता के लिए बहुत जरूरी है। इसके सही से सिंहावलोकन के बिना बात कुछ-कुछ अधूरी है। यह गणित पहले भी था , आज भी है ,और कल भी रहेगा ।सच मानिए ये सभी बातें जीवन के विकास के पहिए की धूरी है। सोच-समझ कर संभल-संभल कर हम अपने जीवन विकास के कदम उठायें । सतर्कता से ही सार्थक हमारा जीवन होता हैं ।अभिज्ञान काम का तभी जब वो जागरुकता का करे वरण ।क्यों कि चेतन मन ही जीवन विकास में सही दिशा प्रदान कर सकता है व ग़लत दिशा में उठे चरण को वही रोक देता है ।जीवन में संबल हैं ,सहारा हैं , विश्वास हैं , नाद है , साहस का संचार है , उँचा मनोबल है ।वह संकल्प से जागता है इसके विकास से सहिष्णु होता है । ध्येय पूर्ति की लगन-संकट झेल पाता है ।स्थिरचित्त होता है वही जितेंद्रिय संकल्प के पार पहुँचता है ।जितने भी महापुरुष हुए है उनकी कामयाबी की चमक लोगों को दिखाई देती है उसने कितने अंधेरे देखे है यह कोई नही जानता है ।मनोबल रहेगा हमेशा तु और भी इम्तिहान ले ज़िंदगी के हमारे हौसलों की स्याही अब भी बाक़ी है । मनुष्य ने अपनी तार्किकबुद्धि का विकास तो बहुत कर लिया है लेकिन भावनात्मक विकास में उतना ही पिछड़ा है ।जो कुछ हुआ वो सब पहले से मनुष्य जानता था की कभी तो इस अति का दुष्परिणाम सामने आएगा ही लेकिन कब का नहीं ।इसलिये मनुष्य जीवन के विकास में सही से सन्तुलन बनाकर चले ।स्वाभाविक प्रकृति के साथ कभी छेड छाड़ न करें ।अपनी सीमाओं का उल्लंघन न करें ये जरूरी होता है ।लेकिन मनुष्य ऐसा जीव है जो जब तक परिस्थितयां सामने न आये अपनी मनमानी करने से डरता नहीं ।यही हमारे दैनिक जीवन की दिनचर्या से भी सम्बंधित है ।हम में से बहुत कम अपने विवेक की छलनी से अपनी बुद्धि और भावों का सही से सन्तुलन बिठा जीवन का विकास कर पाते हैं ।इसलिये बहुत जरूरी है हम अपने बुद्धि का सदुपयोग जीवन के विकास में करें न कि अहंकार में आकर उसका दुरुपयोग ।बुद्धिमान तो बहुत मिलेंगे लेकिन संवेगों पर नियंत्रण करके शांतिमय जीवन जीने वाले बहुत कम बिरले मिलते है ।हम अपने संवेगों पर नियंत्रण करना सीख जाएं तो कोई भी परिस्थिति हमें कभी भी विचलित नहीं कर सकती है ।मनोबल बढ़ने से शारीरिक बीमारी व कर्म योग वाली परिस्थिति आदि भी नकारात्मक प्रभाव शरीर पर डालने में कारगर नहीं हो सकती है ।ये मेरा अपना जीवन विकास का अनुभव है जो मैं बता रहा हूँ ।धर्म की शाखा जीवन के विकास में सदैव हरी भरी रहती है ।जहां विकट स्थिति तो क्या ऐसी कोई चुनौती आ जायें तो भी हम हमारे भावों के सन्तुलन को शांत कर सकते है ।मनुष्यके मस्तिष्क में वो सारी अनंत शक्ति है जो उसका सदुपयोग करके जीवन में विकास करते हुए अपनी आत्मा की मुक्ति के राह पर आगे बढ़ते हुए अपना सही से आत्मकल्याण कर सकता है।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जारी प्रयास सार्थक होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। गृह सुख में कमी रहेगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक योजनायें सफल होंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। उदर विकार या नेत्र विकार की संभावना है। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

कन्या पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यो में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक परिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

मकर आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

...जब मात्र चार तारीख लगी न्याय प्रदान करने में!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

- विश्व उपभोक्ता दिवस 15 मार्च

अदालतों में तारीख-पे-तारीख के मिथक को तोड़ते हुए जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग द्वितीय जोधपुर ने पीड़ित उपभोक्ता को उसके मुकदमा दर्ज कराने की चौथी तारीख पर ही न्याय देकर उपभोक्ता कानून की मूलभावना का सम्मान किया है ।जोधपुर जिले के गवाल बेरा, नारवां निवासी गोपाराम और देवाराम ने डिस्कॉम, मंडोर के सहायक अभियंता के विरुद्ध जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद प्रस्तुत कर बताया कि उनकी तरफ से 3 वर्ष पहले आवेदन करने और विभाग द्वारा संपूर्ण राशि जमा करा लेने के बावजूद अभी तक विद्युत कनेक्शन उपलब्ध नहीं करवाया जा रहा है। डिस्कॉम की ओर से अगली तारीख पर जवाब प्रस्तुत कर बताया गया कि परिवादी को दिसंबर, 2019 में ही कनेक्शन के आदेश जारी कर दिए गए थे लेकिन पड़ोस के लोगों की तरफसे बाधा उत्पन्न की गई, जिस वजह से कनेक्शन नहीं किया जा सका। परिवादी ने तर्क दिया कि पुलिस की सहायता से भी कनेक्शन सुचारू जा सकता है।

आयोग के अध्यक्ष डॉ श्याम सुन्दर लाटा, सदस्य डॉ अनुराधा व्यास, आनंद सिंह सोलंकी की बेंच ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद निर्णय में कहा कि विद्युत अधिनियम की धारा 43 के अनुसार उपभोक्ता द्वारा आवेदन करने पर विद्युत कंपनी की तरफ से एक माह के अंदर कनेक्शन दिया जाना आवश्यक है। कनेक्शन के लिए कानून-व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस सहायता लिए जाने की ड्यूटी विभाग की है, ना कि उपभोक्ता की। आयोग ने कनेक्शन में विलंब के लिए डिस्कॉम को सेवाओं में कमी का दोषी मानते हुए उपभोक्ता को एक माह में कनेक्शन नहीं देने पर 200 रुपए प्रतिदिन हर्जाना अदा करने का आदेश दिया है ।इसी प्रकार जिला उपभोक्ता आयोग हरिद्वार ने आई क्यू सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल को चिकित्सा सेवा में लापरवाही के लिए दोषी मानते हुए पीड़ित उपभोक्ता को उपचार खर्च व वाद व्यय के रूप में 27575 रुपये मय 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दिए जाने का फैंसला सुनाया है। विनीत नगर रुड़की निवासी एस पी वत्स ने आंख में तकलीफ होने पर 10 नवंबर सन 2018 को निर्धारित शुल्क अदा करके आई क्यू सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल की चिकित्सक डॉ निमिषा अग्रवाल से चिकित्सीय परीक्षण कराया था और उन्होंने ही उनकी दायीं आंख का कोर्निया ऑपरेशन किया ।लेकिन आपरेशन के बाद आंख ठीक होने के बजाए उसमे चुभन रहने लगी और दृष्टि भी पहले से कमजोर हो गई ।जिसपर पीड़ित एस पी वत्स ने गाजियाबाद के चिकित्सक डॉ राजेश रंजन को दिखाया तो उन्होंने बताया कि आपरेशन में लापरवाही के कारण आंख में लैंस पीस रह गया है जिससे आंख में इंफेक्शन हुआ ।उनके द्वारा आंख से लैस पीस तो निकाल दिया गया लेकिन आंख में हुए इंफैक्शन के कारण आंख पूरी तरह से ठीक नही हो पाई ।जिस कारण उन्हें अभी भी अपना उपचार एम्स नई दिल्ली में कराना पड़ रहा है ।जिला आयोग ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अपने विस्तृत निर्णय आदेश में आईक्यू हॉस्पिटल की चिकित्सक डॉ निमिषा अग्रवाल को चिकित्सा सेवा में लापरवाही के लिए दोषी मानते हुए पीड़ित उपभोक्ता को उक्त उपचार में व्यय हुई राशि अंकन 17575 रुपये मय 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज व अधिवक्ता शुल्क एवं वाद व्यय के रूप में अंकन दस हजार रूपये यानि 27575 रुपये एक माह में अदा करने का आदेश दिया है ।इस तरह के अनेक मामलों में उपभोक्ता समयबद्ध न्याय प्राप्त करने में सफल रहे है। बाजारबाद के इस दौर में उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए पहली बार उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम,1986 बनाया था। लेकिन बदलते समय और शिकायतों के निवारण में व्याप्त जटिलता के कारण इस अधिनियम को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के द्वारा बदल दिया गया ।नया अधिनियम, अधिक समग्र व कठोर होने के साथ-साथ सरलीकृत विवाद समाधान प्रक्रिया और शिकायतों के ई-फाइलिंग का प्रावधान भी लाया है। अब उपभोक्ता अपनी शिकायत, अपने निकटतम जिला उपभोक्ता आयोग में दर्ज करा सकता है ।जबकि पहले शिकायत वही दर्ज हो सकती थी जहां विक्रेता या सेवा प्रदाता का कारोबार, कार्यालय या शाखा कार्यालय होता था ।अब जहां उपभोक्ता निवास करता है उसी क्षेत्र के उपभोक्ता न्यायालय में अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है ।जो न्याय के प्रति सुलभता का प्रमाण है ।समय के साथ हो रहे कानूनी बदलाव पर गौर करे तो उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम,2020 के अनुसार, डिजिटल मीडिया या इलेक्ट्रॉनिक सेवा प्रदाताओं के माध्यम से ऑनलाइन खरीददारी को भी इस अधिनियम की सीमा में शामिल गया है। साथ ही शिक्षा, मेडिकल एंड हेल्थकेयर, ट्रांसपोर्ट व टेलीकम्युनिकेशन, बैंकिंग सेक्टर, इंश्योरेंस तथा हाउसिंग कंस्ट्रक्शन इत्यादि सेवाओं को उपभोक्ता अधिनियम में शामिल करके उपभोक्ताओं के अधिकारों को अब अधिक व्यापक बनाया गया है। अधिनियम की धारा 2(7) के तहतउपभोक्ता एक ऐसा व्यक्ति है, जो किसी भी सामान या सेवा खरीदता है, जिसका भुगतान किया गया है या वादा किया गया है या आंशिक रूप से भुगतान किया गया है और आंशिक रूप से वादा किया गया है, या आस्थगित भुगतान की किसी भी प्रणाली के तहत ऐसे सामान या सेवाओं के लाभार्थी के अनुमोदन के साथ उपयोगकर्ता भी शामिल है। अधिनियम के तहत, अभिव्यक्ति कोई भी सामान खरीदता है और किसी भी सेवा को किराये पर लेता है या प्राप्त करता है मय इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों या टेली-शॉपिंग या डायरेक्ट सेलिंग या मल्टी-लेवल मार्केटिंग के माध्यम से ऑफ़लाइन या ऑनलाइन लेनदेन शामिल हैं,को उपभोक्ता की श्रेणी में माना गया है ।वही जहां अधिकार है वहां उपचार भी है। जैसा कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम एक उपचारात्मक विधि है इसलिए इस अधिनियम की धारा 2(9) में कुल 6 अधिकारों को यहां उपबंधित किया गया, जिनके उलंघन करने पर उपभोक्ता द्वारा विक्रेता या निर्माता के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जा सकती हैं। इन अधिकारों में जीवन और संपत्ति के लिए खतरनाक वस्तुओं, उत्पादों या सेवाओं के मार्केटिंग से बचाव का अधिकार। गुणवत्ता, मात्रा, शक्ति, शुद्धता, मानक और वस्तुओं, उत्पादों या सेवाओं की कीमत के बारे में सूचित करने का अधिकार, ताकि उपभोक्ता को अनुचित व्यापार प्रथाओं से बचाया जा सके। सुनिश्चित होने का अधिकार कि प्रतिस्पर्धी कीमतों पर विभिन्न प्रकार की वस्तुओं, उत्पादों या सेवाओं तक उपभोक्ता की पहुंच हो रही है। सुनवाई का अधिकार और यह आश्वासन दिया जाना कि उपयुक्त मंचों पर उपभोक्ता के हितों पर उचित विचार किया जाएगा ।अनुचित व्यापार व्यवहार या प्रतिबंधात्मक व्यापार प्रथाओं या उपभोक्ताओं के शोषण के खिलाफ निवारण की मांग करने का अधिकार; तथा उपभोक्ता जागरूकता का अधिकार भी निहित किये गए है। अनुचित व्यापार व्यवहार उपभोक्ता अधिनियम, 2019 की धारा 2(47) के तहत बिक्री के लिए नकली माल का निर्माण या पेशकश करना या सेवा प्रदान करने के लिए भ्रामक प्रथाओं को अपनाना,प्रदान की गई सेवाओं और बेची गई वस्तुओं के लिए उचित कैश मेमो या बिल जारी नहीं करना,दोषपूर्ण वस्तुओं और सेवाओं को वापस लेने से इनकार करना और बिल में निर्धारित समय अवधि के भीतर या बिल में ऐसा कोई प्रावधान नहीं होने पर 30 दिनों के भीतर वस्तु का मूल्य वापस प्रदान करना, उपभोक्ता की व्यक्तिगत जानकारी को किसी अन्य व्यक्ति के सामने प्रकट करना जो प्रचलित विधि के अनुसार न हो,उपभोक्ता ऐसे मामलों में शिकायत दर्ज करने में सक्षम होगा और धोखाधड़ी वाले व्यापारों को भी रोकने भी सहायक सिद्ध होगा।

यदि उपभोक्ता को किसी निर्माता, सेवा प्रदाता या विक्रेता के द्वारा दिए माल या सेवा से कोई नुकसान उठाना पड़े, तब वह उनके विरुद्ध प्रोडक्ट लायबिलिटी की कार्रवाई कर सकता है। जिसके तहत उत्पाद निर्माता को अधिनियम की धारा 84 में उत्तरदायी ठहराया जाएगा। यदि उत्पाद में विनिर्माण दोष है, डिजाइन में दोषपूर्ण है या वह विनिर्माण विनिर्देशों का पालन नहीं करता है और इसमें उचित उपयोग हेतु पर्याप्त निर्देश नहीं हैं तो कानूनी कार्यवाही की जा सकती है ।उपभोक्तावाद के इस युग में लोगों में किसी भी जरूरी या फिर गैर जरूरी वस्तु को खरीदने की होड़ सी लगी हुई है। शायद इसी का फायदा कुछ विक्रेता और कम्पनियाँ उठा रहे हैं। ये लोग कई बार लोगों को घटिया गुणवत्ता की वस्तुएं बढ़िया गुणवत्ता की बताकर बेच देते हैं या तक कि टूटे हुए उत्पाद बेच देते हैं ।वही तय कीमत से अधिक कीमत वसूल लेते हैं और कई बार तो वस्तु की मात्रा भी कम दी जाती है ।इस तरह की धौखाधड़ी आये दिन किसी न किसी उपभोक्ता के साथ होती रहती है ।उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम,1986 व उसके बाद इस अधिनियम के स्थान पर आए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के अनुसार उपभोक्ता से अभिप्राय उस व्यक्ति से है जिसने रुपये का भुगतान करके या भुगतान करने का वायदा करके कोई सामान या सेवा खरीदी हो।

ऐसा व्यक्ति भी उपभोक्ता है, जिसने खुद तो कोई सामान या सेवा नही खरीदी, लेकिन खरीदार की अनुमति से सामान या सेवा का उपयोग किया है ।लेकिन जो व्यक्ति सामान या सेवा को बेचने या व्यापार के उद्येश्य से खरीदता हो वह उपभोक्ता नही माना जाता ।अलबत्ता स्व-रोजगार के लिए सामान या सेवा खरीदने वाला व्यक्ति उपभोक्ता की परिधि में आता है ।जो शीघ्र,सुलभ व कम खर्च में बेहतर न्याय का एक बड़ा आधार है ।(लेखक उपभोक्ता राज्य आयोग के वरिष्ठ अधिवक्ता है)

यकीन नही होता ऐसे भी जा सकते है वेद प्रताप वैदिक!

(श्रद्धांजलि) (लेखक - डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट)

भारतीय पत्रकारिता में वेद प्रताप वैदिक एक ऐसा नाम रहा है जो निष्पक्ष, निर्भीक, बेबाक और पत्रकारिता के मानदंडों पर खरा उतरने का प्रमाण है ।कुछ ही दिन पहले प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के एक कार्यक्रम में माउंट आबू गए तो उन्होंने डंके की चोट पर कहा कि आध्यात्मिक क्षेत्र में एक मात्र ब्रह्माकुमारीज ही ऐसी संस्था है जो दुनिया मे सबसे ज्यादा ब्रह्मचर्य का पालन कराती है और लोग अपनी मर्ज़ी से ब्रह्मचर्य का पालन करते है ।पूरी तरह से स्वस्थ व जीवनपर्यंत लेखन करते रहे

वरिष्ठ पत्रकार व अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ वेद प्रताप वैदिक का अचानक निधन हो गया है। वे 78 साल के थे। उनका निधन गुरुग्राम में हुआ है। वह नहाते समय बाथरूम में गिर गए थे। इसके बाद उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया ।प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया की हिंदी समाचार एजेंसी 'भाषा' के संस्थापक-संपादक रहे वेद प्रताप वैदिक पहले नवभारत टाइम्स में संपादक (विचार) पद पर रहने के साथ ही भारतीय भाषा सम्मेलन के अंतिम अध्यक्ष थे। उनके परिवार में एक पुत्र और एक पुत्री हैं। उनकी पत्नी का पहले ही निधन हो गया था ।वेद प्रताप वैदिक मध्य प्रदेश के इंदौर में 30 दिसबंर, सन 1944 में जन्मे थे। वे कई भाषाओ रूसी, फारसी, जर्मन और संस्कृत के जानकार थे। उन्होंने पीएच.डी. के शोधकार्य के दौरान न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी, मास्को के इंस्तीतूते नरोदोव आजी, लंदन के स्कूल ऑफ ओरियंटल एंड एफ्रीकन स्टडीज और अफगानिस्तान की काबुल यूनिवर्सिटी में अध्ययन और शोध किया भी था ।सन 2014 में आतंकी हाफिज सईद के इंटरव्यू को लेकर वेद प्रताप वैदिक काफी चर्चाओं में आए थे। उन्होंने हाफिज सईद से मुलाकात की थी और यह इंटरव्यू अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक भी किया था। जिस पर काफी विवाद खड़ा हो गया था। उन्होंने भारत लौटने पर कहा था कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पाकिस्तान जाते हैं, तो वहां उनका जोरदार स्वागत नहीं होगा। उनके खिलाफ इस मामले को लेकर राजद्रोह का केस भी दर्ज हुआ था। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में जेएनयू से पीएचडी की थी। वह चार साल तक दिल्ली में राजनीति शास्त्र के प्राध्यापक रहे। उनकी फिलॉस्फी और राजनीतिशास्त्र में भी काफी दिलचस्पी थी ।हाफिज सईद का इंटरव्यू लेने के बाद जब पूरे देश में हंगामा मच गया , तो दो सांसदों ने उन पर देशद्रोह का मुकदमा चलाकर उनको गिरफ्तार करने की मांग की थी,इस पर वैदिक ने टिप्पणी की थी, और कहा था, दो सांसद ही नहीं पूरे 543 सांसद सर्वकुमति से एक प्रस्ताव पारित करें और मुझे फांसी पर चढ़ा दें। उन्होंने संसद के प्रति अमर्यादित टिप्पणी भी की थी। दिवगंत पत्रकार वेद प्रताप वैदिक बहुत ही योग्य संपादकों व पत्रकारों में से एक माने जाते हैं। उन्होंने अफगानिस्तान पर शोध करने के अलावा लंदन, मॉस्को समेत 50 से अधिक देशों की यात्रा भी की थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनके निधन पर शोक जताते हुए कहा, 'वेदप्रताप वैदिक एक प्रखर पत्रकार एवं स्तंभकार थे जो अपनी लेखनी से समसामयिक विषयों पर अपनी बेबाक़ राय रखते थे। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विषयों पर भी उनकी गहरी पकड़ थी ।उनके निधन से हिन्दी पत्रकारिता में एक रिक्तता आयी है। वैदिक को न्यूयार्क की कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, लंदन ओरिजिनल स्टडी इंस्टीट्यूट, मॉस्को एकेडमी ऑफ साइंस और काबुल यूनिवर्सिटी में स्टडी का विशेष मौका मिला था। अंग्रेजी पत्रकारिता के मुकाबले हिन्दी में बेहतर पत्रकारिता का युगारंभ करने वालों में डॉ. वैदिक का नाम अग्रणी कहा जा सकता है। वे सन 1958 में प्रूफ रीडर के तौर पर हिंदी पत्रकारिता में आए थे ।पहले सहसम्पादक और फिर सम्पादक (विचार) के पद पर वह 12 साल तक 'नवभारत टाइम्स' में रहे ,लेकिन उनकी पत्रकारिता जीवनभर उनके साथ रही ।मेरा सौभाग्य है कि मुझे कई बार उनका साक्षात्कार लेने व उनके भाषण सुनने का अवसर मिला ।अपनी स्पष्टवादिता के कारण कई बार वे दूसरों की नाराजगी भी मोल ले लेते थे ।यह आदत आखिरी समय तक उनके साथ रही।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

विचार मंथन

सारी दुनिया में क्रिप्टो करेंसी ने मचाया बवाल

(लेखक - सनत जैन)

आभासी मुद्रा क्रिप्टोकरंसी ने सारी दुनिया के देशों को एक बड़े संकट में डाल दिया है। टेक कंपनियों द्वारा क्रिप्टो करेंसी का जो माया जाल बुना था। उसने विश्व अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने में बहुत बड़ी भूमिका अदा की है। विकासशील देशों एवं दुनियाभर के सेंट्रल बैंकों ने इस आभासी मुद्रा के प्रचलन को लेकर जो मौन साधकर रखा, उसके दुष्परिणाम अब सामने दिखने लगे हैं। सिलिकॉन वैली से संचालित क्रिप्टो एक्सचेंज के बंद होने के बाद, क्रिप्टोकरंसी की सट्टेबाजी, वैध और अवैध रूप से मुद्रा का एक स्थान से दूसरे स्थान पर मुद्रा उपलब्ध होने से क्रिप्टो करेन्सी ने पिछले वर्षों में धूम मचाई। क्रिप्टो मुद्रा को शेयर बाजार में डिमांड और सप्लाई से कीमत बढ़ाकर मुनाफा कमाने का साधन बनी। क्रिप्टो करेंसी के लेनदेन के लिए नए-नए बैंक बने। उनके माध्यम से लेनदेन हुआ। क्रिप्टो एक्सचेंज को भारी झटका लगने के बाद अमेरिका का सिल्वर गेट बैंक, सिलिकॉन वैली और सिग्नेचर बैंक बंद हो गया। इनके बंद होने और क्रिप्टो एक्सचेंज एफटीएक्स बंद होने के बाद सारी दुनिया के शेयर बाजारों में भी अस्थिरता बनना शुरू हो गई थी। दुनिया के देशों के सभी बड़े बैंकों ने क्रिप्टोकरंसी का कारोबार नहीं किया। नाही क्रिप्टो करेन्सी को मान्यता दी। अब जब क्रिप्टो करेंसी से जुड़े हुए वित्तीय संस्थान डूब रहे हैं, उस समय कारोबार और बचत से जुड़ी हुई बहुत बड़ी रकम क्रिप्टो एक्सचेंज के माध्यम से निवेशकों की डूब गई है। इसका असर अब शेयर बाजार पर भी पड़ना शुरू हो गया है। इसका असर अन्य बैंकों पर भी निश्चित रूप से पड़ेगा। जिसके कारण सारी दुनिया की वित्तीय व्यवस्था को एक नया संकट पैदा होने लगा है। कर्ज की अर्थव्यवस्था से दुनिया के सारे देश पहले से ही परेशान थे। सारी वित्तीय संस्थाओं को एनपीए जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अब बैंकों को भी अपना अस्तित्व बचाए रखना मुश्किल हो रहा है। इसका असर शेयर बाजार में भी पढ़ रहा है। अब यह स्पष्ट रूप से दिखने लगा है कि सारी दुनिया के देश आर्थिक मंदी और आर्थिक संकट के शिकार होने जा रहे हैं। आर्थिक मंदी के कारण पहले ही बेरोजगारी के संकट से दुनिया के सभी देश जूझ रहे हैं। महंगाई ने लोगों का जीवन दुश्वार कर दिया है। अब वित्तीय संस्थान यदि डूबते हैं, तो इससे पूरी दुनिया में हाहाकार मचना तय है। इतने बड़े संकट को लेकर सारी दुनिया के देश जिस तरह से चुप्पी साध कर बैठे हुए हैं। उससे चिंता होना स्वाभाविक है। अमेरिकी सरकार ने सिल्वर गेट बैंक, सिलिकॉन वैली और सिग्नेचर बैंक के डूबने पर कोई भी आर्थिक पैकेज देने से मना कर दिया है। अमेरिका जैसे देश की आर्थिक स्थिति इस तरह की नहीं है कि वह वित्तीय संस्थानों को कोई मदद दे सके। जिस तेजी के साथ शेयर बाजारों में इसका असर देखने को मिल रहा है। आने वाले कुछ ही दिनों में सारी दुनिया के देश आर्थिक मंदी के शिकार होने के साथ-साथ वित्तीय व्यवस्था के वर्तमान ढांचे को बचा पाना मुश्किल होगा। वित्तीय तंत्र से आम आदमी भी सीधा जुड़ा हुआ है। ऐसी स्थिति में दु निया भर में अराजकता की स्थिति भी बन सकती है। विश्व बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाओं को इस दिशा में गंभीरता के साथ समय रहते विचार करना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो आर्थिक मंदी, बेरोजगारी और महंगाई जैसी समस्याओं से सारी दु निया के देशों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वित्तीय अराजकता तीसरे विश्व युद्ध का कारण भी बन सकता है। इस पर विश्व बैंक एवं अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं को गंभीरता से विचार कर निर्णय लेना होगा।

-जानिए क्यों पूरे विश्व में फेमस है ब्रज की होली

कान्हा की नगरी में ऐसे मनाई जाती है होली

कान्हा की नगरी ब्रज में होली के आयोजनों की तैयारियां जोरो-शोरों से की जा रही हैं। देश-विदेश से लाखों की संख्या में लोग बृज की विश्व प्रसिद्ध होली में हिस्सा लेते हैं। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के ब्रज आने की उम्मीद जताई जा रही है। आपको बता दें कि ब्रज की होली पूरे विश्व में फेमस है। इस साल बरसाना की फेमस लड्डू होली 27 फरवरी होगी तो उसके अगले दिन यानि की 28 फरवरी को बरसाना में लट्ठ मार होली खेली जाएगी। वहीं बरसाना की होली के बाद नंदगांव में 1 मार्च को लठमार होली का आयोजन किया जाएगा। भगवान कृष्ण की नगरी में होली की धूम देखते ही बनती है। आइए जानते हैं कि इस साल ब्रज में होली का आयोजन किस प्रकार होगा।

ब्रज की विश्व प्रसिद्ध होली

होली यूं तो हर जगह धूमधाम से खेली जाती है। लेकिन श्रद्धालुओं और विदेशी पर्यटकों को मथुरा-वृंदावन की होली खूब भाति है। इस दौरान फूलों वाली होली, लठमार होली, लड्डू होली, गोबर या कीचड़ वाली होली और फूलों वाली होली मनाई जाती है। कीचड़ से होली खेलने की परंपरा ब्रज में सदियों से चली आ रही है। इस दौरान लोग एक-दूसरे पर रंगो की जगह कीचड़ डालकर होली का त्योहार मनाते हैं। रंगों की होली खेलने के बाद अगले दिन यानि की धुलेंडी के दिन ब्रज में कीचड़ वाली होली खेली जाती है।

ब्रज की होली के आयोजन

27 फरवरी - बरसाना की लड्डू होली
28 फरवरी - बरसाना में लठमार होली
01 मार्च - नंदगांव की लठमार होली
03 मार्च - रंगभरनी एकादशी वृंदावन परिक्रमा
मथुरा श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर होली
04 मार्च - गोकुल में छड़ीमार होली
07 मार्च - होलिका दहन, फालैन में जलती होलिका से पंडा निकलने की लीला
09 मार्च - दाऊजी का हुरंगा, चरकुला नृत्य मुखराई
15 मार्च - रंगजी मंदिर में होली उत्सव वृंदावन

लड्डू होली

द्वापर युग में राधा रानी और उनकी सखियों ने भगवान श्री कृष्ण के साथ होली खेलने के लिए दूत को न्योता देने के लिए नंदगांव भेजा था। जब दूत ने राधारानी के होली खेलने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया तो बरसाना वासी खुश होकर एक-दूसरे पर लड्डू फेंकने लगे। जिसके बाद से लड्डू होली की शुरूआत हो गई। तब से लेकर आजतक इस परंपरा को निभाया जाता है। आज भी जब होली का निमंत्रण देकर पांडा बरसाना के प्रमुख श्री जी के मंदिर पहुंचता है, तो यहां मंदिरों में सभी सेवायत एकजुट होकर श्रद्धालुओं पर लड्डू फेंकते हैं।

लठमार होली

मान्यता के अनुसार, लठमार होली की शुरूआत लगभग 5000 साल पहले हुई थी। कहते हैं कि एक बार श्री कृष्ण आपने ग्वाले साथियों के साथ बरसाना राधारानी से मिलने पहुंचे थे। तब श्रीकृष्ण और ग्वालों ने राधारानी और उनकी सखियों को चिढ़ाना और परेशान करना शुरू कर दिया। जिसके कारण राधारानी और उनकी सखियों ने कृष्ण और उनके साथ आए ग्वालों को लाठी लेकर दौड़ाया था। तभी से लठमार होली की शुरूआत हुई। इसी परंपरा के अनुसार, आज भी नंदगांव के युवक होली पर बरसाना जाते हैं और बरसाना की महिलाएं और लड़कियां लाठियों ने उन्हें मारने का प्रयास करती हैं।

फूलों वाली होली

ब्रज में फुलेरा दूज के दिन फूलों वाली होली खेली जाती है। एक बार श्रीकृष्ण अपने काम में इतने व्यस्त हो गए कि वह राधारानी से मिलने नहीं जा पाए। जिस कारण राधारानी उदास हो गईं। राधारानी की उदासी का असर प्रकृति पर भी होने लगा और फूल, पेड़-पौधे आदि सूखने लगे तो श्री कृष्ण को अपनी गलती का एहसास हुआ। इसके बाद वह राधारानी से मिलने बरसाने पहुंच गए। राधारानी कृष्ण को देखकर खुश हो गईं। जिसपर प्रकृति पहले की तरह हरी-भरी हो गई। राधारानी को खुश देखकर श्री कृष्ण ने उनपर फूल फेंके। जिसके बाद राधारानी और गोपियों ने मिलकर श्री कृष्ण के साथ फूलों वाली होली खेली। आज भी वहां फूलों वाली होली खेली जाती हैं।

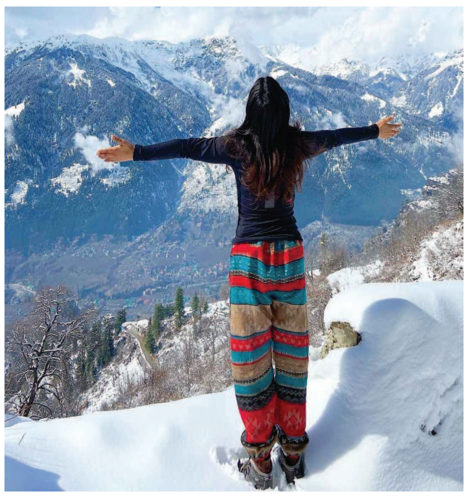

मार्च के महीने में देश की इन 5 जगहों पर घूमने जाने का करें प्लान

मार्च का माह बड़ा सुहाना रहता है। न ठंड रहती है और न गर्मी। बारिश भी नहीं रहती है और मौसम मन को सुकून देने वाला रहता है। ऐसे में यदि आप मार्ग के माह में घूमने का प्लान बना रहे हैं तो हमारी बताई 10 जगहों पर जरूर जाएं। इस मौसम में गर्मी के साथ ही ठंड का अहसा भी होता है और मौसम खुशनुमा रहता है।

1. **गोवा:** किसी भी समुद्र के किनारे घूमना मार्च माह में बहुत ही सुहाना और रोमांचक है। इसके लिए आप गोवा, मुंबई, पांडिचेरी, जगन्नाथ, द्वारिका, कोवलम, कन्याकुमारी, रामेश्वरम, लक्ष्यद्वीप, दमण और दीव, अंडमान और? निकोबार या फिर मांदरमोनी और दीघा में जा सकते हैं। हालांकि आप मुंबई होते हुए गोवा जाएं जो कि सबसे शानदार है। मार्च के दौरान यहां पर आपका वॉटर एक्टिविटी मिलेगी।
2. **शिमला:** भारत के अधिकतर पर्यटक हिमाचल घुमने जाते हैं। हिमाचल में शिमला और मनाली सबसे प्रसिद्ध स्थल है। यहां घाटी और चारों ओर हिमालय पर्वत की चोटियों का सुंदर दृश ?य दिखाई देता है। शिमला से मनाली लगभग 275 किलोमीटर दूर है। चारों ओर से पहाड़ों से घिरे मनाली को देखकर रोमांच और रोमांस का अनुभव होता है।
3. **पचमढ़ी:** मध्यप्रदेश में अमरकंटक के पास ही होशंगाबाद जिले में पचमड़ी बहुत ही खूबसूरत हिल स्टेशन है। ऊंचे ऊंचे पहाड़, झील, झरने, गुफाएं, जंगल सभी कुछ हैं यहां पर। झरनों के लिए आप मध्यप्रदेश के पचमड़ी में जाएं। हालांकि झरनों का शहर रांची को माना जाता है। भारत में भेड़ाघाट धुआधार (मध्यप्रदेश), कुंचिकल जल प्रपात (कर्नाटक), बरिपनी जल प्रपात (ओडिशा), नोहलिकैय जल प्रपात (मेघालय), नॉस्न्जितिंग जल प्रपात (मेघालय), क्यन्रएं जल प्रपात (मेघालय), दूधसागर झरना (गोवा- कर्नाटक), मीनमुतटी झरना (केरल), चित्रकूट झरना (छत्तीसगढ़) आदि कई जगहों पर शारदार झरनें हैं परंतु पचमढ़ी में आपको बहुत सारे झरने देखने को मिलेगें।
4. **लोनावाला:** महाराष्ट्र में मुंबई से करीब 96 किलोमीटर और खंडाला से लगभग 5 कीलोमीटर दूर स्थित है लोनावला (लोणावळा) हिल स्टेशन। पूणे से मात्र 2 घंटे का रास्ता है। इसे झीलों का जिला कहते हैं। मुंबई और पूना वासियों के लिए यह उनका फेवरिट डेस्टिनेशन है। इस हिल स्टेशन क्षेत्र में लोनावला झील, तिगौती झील, मानसून झील और वाल्वन झील प्रमुख हैं, जिन्हें देखना बहुत ही अद्भुत है। खासकर वाल्वन झील पर बना वाल्वन बांध एक बेहतरीन पिकनिक स्पॉट है। लोनावला को सह्याद्रि पर्वत मालाओं की मणि और मुंबई-पुणे का प्रवेश द्वार भी कहते हैं।
5. **मसूरी:** मसूरी हिल स्टेशन उत्तराखंड राज्य का पर्वतीय नगर है। यह देहरादून से 35 किलोमीटर और दिल्ली-एनसीआर से लगभग 250 किलोमीटर दूर है। इसे पहाड़ों की रानी कहा जाता है जो गंगोत्री का प्रवेश द्वार भी है। मसूरी के एक ओर से गंगा नजर आती है तो दूसरी ओर से यमुना नदी। यहां पर दुर्लभ वनस्पतियां और जीव जंतु पाए जाते हैं। यहां के ऊंचे ऊंचे पहाड़ और हरी भरी छटा देखते ही बनती है। पतली घुमावदार सड़कें, हरे-भरे पेड़, दूर तक नजर आती ऊंची-नीची पहाड़ियां, एक ओर दूर नजर आते बर्फ से ढंके सफेद पहाड़, दूसरी ओर पहाड़ों की गोद में बने छोटे-छोटे घर यानी देहरादून शहर। यहां आकर कोई भी रोमांचित हो सकता है। हनीमून मनाने के लिए यह आदर्श स्थान है।

राष्ट्रीय उद्यान: यदि आप जंगल घूमने का शौक रखते हैं तो भारत में कई भयानक जंगल है। राजस्थान में रणथम्भौर और सारिस्का के जंगल, गुजरात में गिरनार, बंगाल में सुंदरबन, असम में कांजीरंगा आदि सैंकड़ों जंगल है लेकिन हम आपको सलाह देंगे मध्यप्रदेश के कान्हा किससी वन में जाने के लिए। एशिया के सबसे सुरम्य और खूबसूरत वन्यजीव रिजर्वों में से एक है कान्हा राष्ट्रीय उद्यान। यहां काला हिरण, बारहसिंगा, सांभर और चीतलों को एकसाथ देखा जा सकता है। इसके अलावा यहां बाघ, तेंदुआ, चीतल, नीलगाय, जंगली सूअर, गौर, भैंसे, सियार आदि हजारों पशु और पक्षियों का झुंड है। मंडला और जबलपुर शहर से सड़क मार्ग द्वारा 'कान्हा राष्ट्रीय उद्यान' तक पहुंचा जा सकता है।

जयपुर हवा महल: बिना नींव के खड़ी है ये पांच मंजिला इमारत

भारतीय राज्य राजस्थान पनी रंग-बिरंगी संस्कृति और इतिहास के लिए फेमस है। यहां के कई किले और महल आकर्षण का केंद्र है। यहां पर घूमने आने वाले पर्यटक इन महलों की खूबसूरती को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। राजस्थान की राजधानी जयपुर में स्थित हवा महल सबसे अलग और खास है। आपको बता दें कि गुलाबी और बलुआ रंग के पत्थरों से बने इस महल की अलग ही शान है। इसी महल के कारण जयपुर को पिंक सिटी कहा जाता है। हवा महल का निर्माण राजस्थानी और मुगल शैली में किया गया है। हालांकि हवा महल से जुड़ी सभी बातों को लोग जानते हैं। लेकिन आज हम आपको हवा महल के कई ऐसे फैक्ट्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको शायद ही पता हों। आइए जानते हैं हवा महल से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें...

बिना नींव के बना है ये महल

जयपुर का हवा महल सिटी पैलेस का हिस्सा था। इसलिए इसका कोई बाहर से एंट्रेंस गेट नहीं बनाया गया था। सिटी पैलेस की ओर से एक शाही दरवाजा हवा महल के प्रवेश द्वार की ओर जाता है। वहीं से आपको एंट्री लेनी होती है। साथ ही यह भी कहा जाता है कि यह महल बगैर नींव के बना है। जिसके कारण यह वजन से घुमावदार और 87 डिग्री के कोण पर झुका हुआ है।

पैलेस ऑफ विंड्स

हवा महल को पैलेस ऑफ विंड्स के नाम से भी जाना जाता है। इस महल में बनीं 953 खिड़कियां इसे दूसरे महलों से अलग बनाती हैं। इन खिड़कियों को इसलिए बनाया गया था। ताकि हवा महल के अंदर आ सके और यहां गर्मी का एहसास भी न हो।

महिलाओं के लिए बनाया गया

आपको बता दें कि हवा महल को खासतौर पर राजपूत सदस्यों और खासकर महिलाओं के लिए बनवाया गया था। उस दौरान महिलाए खुलेआम किसी भी आयोजन में नहीं शामिल होती थीं। इसलिए इस महल की खिड़कियों पर खड़े होकर वह नीचे आयोजित हो रहे कार्यक्रम को देखती थीं।

महल में नहीं बनीं हैं सीढ़ियां

भले ही यह महल पांच बना है, लेकिन इस महल में आपको सीढ़ियां नहीं मिलेंगी। हर मंजिल पर आपको रैंप करके जाना होगा। बता दें कि हवा महल को रहने के उद्देश्य से नहीं बनाया गया था। कुछ विशेष मौकों पर राजसी महिलाएं अपनी दासियों के साथ सिटी पैलेस से यहां आया करती थीं।

महल में बने हैं 3 मंदिर

अधिकतर लोग शायद इस बात से अंजान होंगे कि इस भव्य महल के अंदर तीन मंदिर बने हुए हैं। जिन्हें गोवर्धन मंदिर, प्रकाश मंदिर और हवा मंदिर के नाम से जाना जाता है। हालांकि पहले लोग गोवर्धन कृष्ण मंदिर में भगवान कृष्ण के दर्शन करते थे। लेकिन उब उन्हें बंद कर दिया गया है।

मंदिर के नाम पर रखा महल का नाम

आपको जानकार हैरानी होगी कि हवा मंदिर नाम के एक मंदिर के नाम पर इस महल का नाम रखा गया था। आज भी यह मंदिर हवा महल के अंदर है। इसलिए इस महल का नाम हवा महल रखा गया। बता दें कि हवा महल खूबसूरत वास्तुकला का नमूना है।

नॉर्थ इंडिया की इन खूबसूरत जगहों को न करें स्किप

उत्तर भारत में घूमने के लिए आपको कई बेहतरीन जगह मिल जाएंगी। उत्तर भारत में कश्मीर की खूबसूरती से लेकर राजस्थान की शाही भव्यता, आगरा के ताजमहल से लेकर सबसे पवित्र नदी गंगा, विशाल प्रकृति, संस्कृति और शांति से भरे अनुभवों की उत्तर भारत अपने आप में समेटे है। इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत आपका मन मंत्रमुग्ध कर देगी। बता दें कि उत्तर भारत यानि की नॉर्थ इंडिया में जम्मू और कश्मीर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड शामिल हैं। अगर आप भी नॉर्थ इंडिया घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आप इन जगहों की खूबसूरती को देख सकते हैं। जहां आपको प्रकृति यानि की नेचर के साथ एक सुकून की भी अनुभूति होगी।

दिल्ली: देश की राजधानी दिल्ली है। इस शहर में आप नुक्कड़ से लेकर आउटलेट और रेस्तरां में खाने का लुत्फ उठा सकते हैं। इसके अलावा दिल्ली में मनोरम स्मारकों से लेकर वास्तुकला, अद्भुत किलों, सरकारी भवनों, हरे-भरे बगीचों, विभिन्न संग्रहालयों और मंदिरों की भरमार है। अगर आप भी दिल्ली घूमने का प्लान बना रहे हैं तो यहां का लाल किला, जामा मस्जिद, इंडिया गेट, हुमायूं का मकबरा, राजघाट, चांदनी चौक, अक्षरधाम मंदिर और राष्ट्रपति भवन देख सकते हैं।

राजस्थान: भारत का सबसे मशहूर पर्यटन स्थल राजस्थान अपनी संस्कृति और विरासत के लिए जाना जाता है। बता दें कि हर साल देश-विदेश से लाखों की संख्या में पर्यटक यहां घूमने के लिए आते हैं। इस राज्य में आप आमेर किला, सिटी पैलेस, पिछोला झील, जल महल, उम्मेद भवन पैलेस, हवा महल, जंतर मंतर, जयगढ़ किला, अल्बर्ट हॉल संग्रहालय आदि घूम सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर ऊंट और हाथी की सवारी का लुत्फ भी उठा सकते हैं। राजस्थान अपनी परंपरा, वास्तुकला और भोजन आदि में रॉयल्टी दर्शाता है।

जम्मू और कश्मीर: जम्मू और कश्मीर को धरती का स्वर्ग माना जाता है। यह भारत के सबसे उत्तरी भाग में है। जम्मू-कश्मीर में आप यहां की प्राकृतिक सुंदरता को काफी करीब से देख सकते हैं। बता दें कि जम्मू-कश्मीर खूबसूरत पर्यटक स्थल है। यहां पर आप कारगिल, सोनमर्ग, पुलवामा, श्रीनगर, गुलमर्ग, उधमपुर, कुपवाड़ा, पहलगाम, डोडा, पुंछ, अनंतनाग, बारामूला आदि घूम सकते हैं।

हिमाचल प्रदेश: घूमने का शौक रखने वालों के लिए हिमाचल प्रदेश भी एक बेस्ट ऑप्शन है। यहां पर आप प्राकृतिक सुंदरता के अलावा नेचर के बीच शांतिपूर्ण पल बिता सकते हैं। यहां की मनमोहक घाटियां आपका मन मंत्रमुग्ध कर देंगी। यहां पर आप कसौली, कुल्लू, मनाली, मसूरी, शिमला, चंबा, कांगड़ा, डलहौजी, ऊना, सोलन आदि घूम सकते हैं। इसके अलावा रोहतांग पास, सोलंग घाटी, कांगड़ा घाटी और जाखू का भी आप लुत्फ उठा सकते हैं।

उत्तराखंड: अगर आप नॉर्थ इंडिया में तीर्थ स्थलों के घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो उत्तराखंड आपके लिए बेस्ट ऑप्शन बता है। उत्तराखंड भारत के पवित्र राज्यों में से एक है। यहां पर हर साल लाखों की संख्या में तीर्थयात्री आते हैं। हिमालय की गोद में बसा उत्तराखंड अपनी अलग छटा बिखेरता है। यहां पर आप ऋषिकेश, हरिद्वार, नैनीताल और देहरादून घूम सकते हैं। इसके अलावा यहां पर हर की पौड़ी, चंडी देवी मंदिर, फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान, नैनीताल झील, बद्रीनाथ मंदिर, केदारनाथ मंदिर, लक्ष्मण झूला देख सकते हैं।

उत्तर प्रदेश: आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश एक उत्तर भारतीय राज्य है। यह राज्य अपनी मुगल वास्तुकला के लिए जाना जाता है। यहां पर कई सालों तक मुगल शासकों ने राज्य किया है। इसीलिए, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को नवाबों की नगरी भी कहा जाता है। राजधानी लखनऊ अपने मुगल वास्तुकला, नवाबी अंदाज और अदब के लिए फेमस है। इसके अलावा यहां पर आप अन्य फेमस शहरों जैसे वाराणसी, कानपुर, झांसी, अलीगढ़, गाजियाबाद में भी घूम सकते हैं।

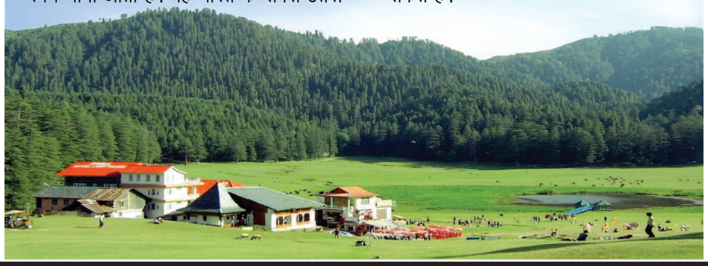

रुपया 12 पैसे टूटकर 82.35 पर

मुंबई । अमेरिकी डॉलर की मजबूती और घरेलू शेयर बाजारों से विदेशी पूंजी की निकासी के चलते रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 12 पैसे की गिरावट के साथ 82.35 के स्तर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर 82.27 पर खुला और फिर कुछ बढ़त के साथ 82.24 के स्तर पर आ गया। हालांकि बाद में यह गिरावट दर्ज करते हुए 82.35 पर था। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.23 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.26 प्रतिशत बढ़कर 103.86 पर आ गया।

सरसों के दबाव में सोयाबीन के भाव भी लुढ़के

मुंबई । सरसों की कीमतों में लगातार गिरावट का असर सोयाबीन की कीमतों पर भी पड़ रहा है। नई सरसों की आवक के बाद सोयाबीन की कीमतों में नरमी देखी जा रही है। जानकारों के मुताबिक आगे सोयाबीन की कीमतों में और गिरावट आ सकती है। बाजार के जानकारों के मुतो बिक करीब 20 दिन पहले से सरसों की नई आवक आना शुरू हो गई थी। रिकॉर्ड उत्पादन के कारण सरसों के दाम लगातार गिरकर न्यूनतम समर्थन मूल्य के करीब आ गए हैं। सरसों की कीमतों में भारी गिरावट का असर सोयाबीन की कीमतों में सुस्ती के रूप में दिख रहा है। सरसों की नई आवक के समय इंदौर मंडी में सोयाबीन के दाम 5,700 रुपये क्विंटल थे, जो गिरकर 5,500 रुपए क्विंटल रह गए हैं।

होंडा की 350सीसी बाइक से बुलेट को मिलेगी टक्कर

- होंडा ने 'माई सीबी, माई वे' भी पेश किया

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया कंपनी ने ओबीडी2बी कंप्लेंट 2023 हायनेस सीबी350 और सीबी350आरएस को लॉन्च कर दिया है। 2023 होंडा सीबी350 की कीमत 209,857 रुपये और 2023 होंडा सीबी350 आरएस की कीमत 214,856 रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) है। नई मोटरसाइकिल रेंज मार्च 2023 के अंत तक पूरे भारत में बिगविंग डीलरशिप पर उपलब्ध होगी। इसे जोड़ते हुए, जापानी दोपहिया निर्माता ने सीबी350 ग्राहकों के लिए एक नया कस्टमाइजेशन सेक्शन - 'माई सीबी, माई वे' भी पेश किया है। यह होंडा जेनूइन एक्सेसरीज कस्टम किट मार्च 2023 के अंत तक बिग विंग डीलरशिप पर उपलब्ध होगी। 2023 होंडा सीबी 350 रेंज 350सीसी, एयर-कूल्ड 4 स्ट्रोक ओएससी सिंगल-सिलेंडर ओबीडी2बी कम्प्लायंट इंजन द्वारा संचालित है जो पीजीएम-एफआई तकनीक से लैस है। यह इंजन 30 एनएम @ 3000आरपीएम का अधिकतम टॉर्क पैदा करता है। होंडा के इंजीनियरों ने प्राइमरी और सेकेंडरी वाइब्रेशन दोनों को खत्म करने के लिए सिलिंडर पर मेन शाफ्ट कोएक्सियल बैलेंसर लगाया है। बोल्ड लो-पिच ध्वनि उत्पन्न करने के लिए संतुलन को अनुकूलित करने के लिए सीबी350 निकास प्रणाली में 45 मिमी की एक बड़ी टेलपाइप है। डिजिटल डिस्प्ले में 'टी' इंडिकेटर झिलमिलाता है जब सिस्टम व्यस्त होता है। नई होंडा सीबी350 और नई सीबी350आरएस डीएलएक्स प्रो वैरिएंट अब होंडा स्मार्टफोन वॉयस कंट्रोल सिस्टम से लैस हैं। राइडर अपने स्मार्टफोन को एचएसवीसीएस एप्लिकेशन के जरिए ब्लूटूथ के जरिए मोटरसाइकिल से कनेक्ट कर सकता है। यह राइडर को फोन कॉल, नेविगेशन, म्यूजिक प्लेबैक और आने वाले मैसेज सहित कई फीचर्स से लैस है। नई मोटरसाइकिल में होंडा सेलेक्टेबल टॉर्क कंट्रोल है, जो फ्रंट और रियर व्हील स्पीड के बीच अंतर का पता लगाकर रियर व्हील ट्रैक्शन को बनाए रखने में मदद करता है, और स्लिप रेशियो की गणना करता है और फ्यूल इंजेक्शन के माध्यम से इंजन टॉर्क को नियंत्रित करता है। मीटर के बाईं ओर एक स्विच का उपयोग करके एचएसटीसी को चालू/बंद किया जा सकता है।

देश का निर्यात चालू वित्त वर्ष में 750 अरब डॉलर से अधिक होगाः गोयल

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि देश का वस्तु एवं सेवा निर्यात चालू वित्त वर्ष 2022-23 में 750 अरब डॉलर को पार कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ देशों के साथ रुपए में व्यापार को बढ़ाने को लेकर चर्चा जारी है। गोयल ने कहा कि पिछले साल देश का निर्यात 676 अरब डॉलर के अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। उन्होंने यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) साझेदारी शिखर सम्मेलन में कहा` कि हम 2022-23 में 750 अरब डॉलर के सामान और सेवाओं के निर्यात के लक्ष्य को पार करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। हम कई देशों के साथ रुपए के व्यापार का विस्तार कर रहे हैं। इनमें से कई मामले में बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जनवरी के दौरान भारत का वस्तु निर्यात बढ़कर 369.25 अरब डॉलर रहा। यह पिछले साल की समान अवधि में 340.28 अरब डॉलर रहा था। वहीं 10 महीने की अवधि के दौरान सेवाओं का निर्यात 272 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

एप्पल के नए ओएलईडी आईपैड प्रो की कीमत मैकबुक प्रो जितनी होगी

सैन फ्रांसिस्को ।

टेक कंपनी एप्पल के अपकमिंग ओएलईडी आईपैड प्रो की कीमत मैकबुक प्रो जितनी होगी। एप्पल इनसाइडर की रिपोर्ट ने सप्लाई चेन की एक नई रिपोर्ट के हवाले से बताया कि ओएलईडी स्क्रीन वाले टेक जायंट के नए आईपैड प्रो मॉडल, जिनके अगले साल रिलीज होने की उम्मीद है, की कीमत मौजूदा रिलीज की तुलना में 80 प्रतिशत ज्यादा होगी। अफवाह है कि ओएलईडी डिस्प्ले वाले 11 इंच के आईपैड प्रो की कीमत वर्तमान मॉडल की तुलना में 80 प्रतिशत ज्यादा होगी और यह लगभग 1,500 डॉलर से शुरू होगी। दूसरी ओर, 12.9 इंच एडिशन 60 प्रतिशत अधिक महंगा होगा और 1,800 डॉलर से शुरू होगा। इसके अलावा, आईफोन मेकर एलजी डिस्प्ले और सैमसंग डिस्प्ले के साथ मूल्य निर्धारण पर चर्चा कर रहे हैं। इस बीच, पिछले महीने यह बताया गया कि टेक जायंट ने अपने अपकमिंग आईपैड प्रो मॉडल के लिए एलजी डिस्प्ले और सैमसंग से ओएलईडी पैनल का ऑर्डर दिया है, जिसके अगले साल लॉन्च होने की उम्मीद है।

देश में डिजिटल रुपए का चलन बढ़ाः निर्मला सीतारमण

मुंबई । देश में डिजिटल रुपए का चलन बढ़ा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने कहा कि 28 फरवरी तक पायलट बेसिस पर देश में 130 करोड़ की कीमत के ई-रुपए सर्कुलेशन में हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने डिजिटल रुपए को होलसेल सेगमेंट के लिए 1 नवंबर 2022 को जारी किया था, जबकि रिटेल सेगमेंट के लिए 1 दिसंबर 2022 को पेश किया गया था। वित्त मंत्री ने कहा कि नौ बैंकों को ई-रुपया सर्कुलेशन में रखा गया है। इसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, यस बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एचएसबीसी डिजिटल रुपए होलसेल पायलट प्रोजेक्ट के तहत शामिल हैं। लोकसभा में एक लिखित जवाब में निर्मला सीतारामन ने कहा कि 28 फरवरी 2023 तक रिटेल और होलसेल के लिए डिजिटल रुपी में सर्कुलेशन क्रमशः 4.14 करोड़ रुपए और 126.27 करोड़ रुपए रहा है। आरबीआई ने टी वेंडर, फूट सेलर, स्ट्रीट साइड और साइड वाल वेंडर और छोटी दुकानों पर डिजिटल रुपए का उपयोग कर सकते हैं। इसी तरह इंस्टीट्यूशनल मर्चेंट जैसे पेट्रोल पंप, रिटेल चेन और कई आउटलेट पर भी इसे यूज किया जा सकता है। वित्त मंत्री ने बताया कि करीब 3 महीने के दौरान रिटेल सेगमेंट में 4.14 करोड़ कीमत के डिजिटल रुपी सर्कुलेट हो चुके हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 338 अंक, निफ्टी 111 अंक टूटा

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी, धातु और पीएसयू बैंकों के शेयरों में बिकवाली से आई है। बीएसई के मिडकैप सूचकांक में 0.5 फीसदी और स्मॉलकैप सूचकांक में लगभग एक फीसदी की गिरावट रही। गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत अच्छी नहीं रही ओर समय के साथ ही ये गिरावट बढ़ती गयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 337.66 अंक करीब 0.58 फीसदी नीचे आकर 57,900.19 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी 111 अंक तकरीबन 0.65 फीसदी नीचे आकर 17,043.30 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से सात शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। दिग्गज कंपनियों टाइटन, भारती एयरटेल, लार्सन एंड टूब्रो, सन फार्मा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में शामिल रहे। सबसे अधिक लाभ टाइटन के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 0.93 फीसदी तक उछले। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 23 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, टीसीएस, बजाज फिनसर्व, विप्रो और कोटक बैंक के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इस दौरान महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर करीब 2.92 फीसदी तक नीचे आये। वहीं एशियाई और अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक, जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नीचे आया दूसरी ओर यूरोपीय बाजारों में मिला-जुला कारोबार हुआ।

इसी बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.56 फीसदी टूटकर 79.51 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

सिलिकन वैली बैंक के डूबने से अस्थिर हुआ कच्चे तेल का बाजार

नई दिल्ली ।

सिलिकन वैली बैंक के धराशायी होने का असर धीरे-धीरे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। बैंक के डूबने से शेयर बाजारों में हड़कंप मच गया और नए वित्तीय संकट को लेकर चिंता बढ़ गई। मंगलवार को कच्चे तेल का बाजार लड़खड़ा गया और ब्रेंट क्रूड वायदा 9 सेंट गिरकर 80.68 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड फ्यूचर्स 16 सेंट गिरकर 74.64 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। जनवरी के बाद से सोमवार को ब्रेंट सबसे निचले स्तर पर आ गया, जबकि डब्ल्यूटीआई दिसंबर के बाद से अपने न्यूनतम स्तर पर ट्रेड कर रहा था। एसवीबी फाइनेंशियल के अचानक बंद होने से अन्य बैंकों के जोखिम के बारे में चिंताएं पैदा हो गईं। पिछले साल अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में तेज बढ़ोतरी के बाद से इस बात की अटकलें तेज हो गई थीं कि इससे बैंकिंग सेक्टर के लिए नई चिंताएं पैदा हो सकती हैं। इससे उन अटकलों को भी बढ़ावा मिला है कि क्या केंद्रीय बैंक अपनी मौद्रिक सख्ती की गति को धीमा कर सकता है? अमेरिकी अधिकारियों ने रविवार को बैंकिंग प्रणाली में विश्वास बढ़ाने के लिए आपातकालीन उपायों की शुरुआत की।

सिलिकॉन वैली बैंक की विफलता के बाद पिछले सप्ताह के अंत में अमेरिकी शेयर बाजारों में भारी बिकवाली हुई। राज्य नियामकों ने न्यूयॉर्क स्थित सिग्नेचर को बंद कर दिया। डॉलर इंडेक्स, जो छह बड़ी मुद्राओं के मुकाबले ग्रीन बैक की ताकत का अनुमान लगाता है, लगातार तीन दिनों तक गिरने के बाद मंगलवार को बढ़ा। बता दें कि यह सोमवार को लगभग एक महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया था। डॉलर के कमजोर होने से अन्य मुद्राओं के धारकों के लिए तेल सस्ता हो जाता है।

सिलिकिन वैली प्रस्ताव आश्वस्त करने वाला, स्टार्टअप को मिलेगी राहतः वैष्णव

मुंबई ।

सिलिकन वैली बैंक (एसवीबी) के जमाकर्ताओं के धन की सुरक्षा के लिए अमेरिकी प्रशासन द्वारा कदम उठाए के बीच सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि एसवीबी संबंधी प्रस्ताव आश्वस्त करने वाला है और इससे कई स्टार्टअप को राहत मिलेगी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने घोषणा की है कि विफल सिलिकन वैली बैंक के जमाकर्ता अपनी धनराशि निकाल सकेंगे। वैष्णव ने कहा कि एसवीबी संबंधी प्रस्ताव आश्वस्त करने वाला है। इससे कई स्टार्टअप को राहत मिलेगी। अमेरिका के बड़े बैंक एसवीबी के दिवालिया होने के बीच देश की बैंकिग प्रणाली में जनता का भरोसा मजबूत बनाए रखने और अमेरिका की अर्थव्यवस्था की रक्षा करने के उद्देश्य से बाइडन प्रशासन ने घोषणा की है कि इस बैंक के जमाकर्ता अपने धन का उपयोग कर सकेंगे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (एफडीआईसी) और केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की अनुशंसा मिलने तथा राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ हुए विचार-विमर्श के बाद वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने रविवार को बैंक का समाधान पूरा करने, साथ ही जमाकर्ताओं के हितों की पूरी तरह से रक्षा करने के लिए एफडीआईसी को कदम उठाने की मंजूरी दे दी है।

भारतपे और ग्रोवर के परिवार के बीच नहीं चल रही समझौता वार्ता

- 88.6 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला

नई दिल्ली ।

फिनटेक प्लेटफॉर्म भारतपे और कंपनी के पूर्व सीईओ अशनीर ग्रोवर के बीच का विवाद कोर्ट में चल रहा है। 88.6 करोड़ के विवाद मामले में खबर आई कि दोनों के बीच समझौता हो सकता है, लेकिन भारतपे की ओर से अब इस पर सफाई आ गई है। भारतपे ने साफ किया है कि कंपनी और अशनीर ग्रोवर के बीच कोई समझौता वार्ता नहीं चल रही है। आपको बता दें कि भारतपे ने अशनीर ग्रोवर, उनकी पत्नी और उनके परिवार के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में 88.6 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामले में याचिका दायर की थी। ये मामला अब भी तल रहा है। कंपनी ने कहा कि भारतपे और ग्रोवर या उनके परिवार के बीच किसी तरह के समझौते का सुझाव देने वाली रिपोर्ट निराधार और असत्य है। अशनीर ग्रोवर, उनकी पत्नी और परिवार पर दिसंबर 2022 में धोखाधड़ी, धन की हेराफेरी, जालसाजी, दस्तावेज निर्माण और गबन जैसे कई गंभीर आरोप लगाते हुए भारतपे ने मामला दर्ज करवाया था। अब इस मामले में कंपनी ने अपना जवाब दे दिया है। फिनटेक प्लेटफॉर्म भारतपे ने सोमवार को कहा कि कंपनी और उसके पूर्व संस्थापक और प्रबंध निदेशक अशनीर ग्रोवर के बीच कोई समझौता वार्ता नहीं चल रही है। कंपनी ने आईएएनएस को दिए एक बयान में कहा कि भारतपे और मिस्टर ग्रोवर या उनके परिवार के बीच किसी तरह के समझौते का सुझाव देने वाली रिपोर्ट पूरी तरह निराधार और असत्य है। भारतपे ने ग्रोवर और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में दीवानी मुकदमे के माध्यम से कानूनी कार्यवाही शुरू की और दिसंबर 2022 में धोखाधड़ी, धन की हेराफेरी, विश्वास का आपराधिक उल्लंघन, जालसाजी, दस्तावेज निर्माण और गबन के लिए आर्थिक अपराध शाखा के साथ आपराधिक शिकायत की शिकायत की। भारतपे ने कहा, हमें देश की न्यायिक और कानूनी व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पहले ग्रोवर और उनकी पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर को कंपनी द्वारा दायर एक मुकदमे पर समन जारी किया था, जिसमें फिनटेक फर्म के खिलाफ मानहानिपूर्ण बयान देने से रोकने की मांग की गई थी, जिसमें दंपति पर धन की हेराफेरी का आरोप लगाया गया था।

अडानी के 10 में से 4 कंपनियों के शेयरों में लोअर सर्किट

अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में भी सात फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली ।

घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को दबाव दिखाई दे रहा है। इसी के साथ अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में भी बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। अडानी ग्रुप के सभी स्टॉक्स आज गिरावट के साथ लाल निशान पर खुले हैं। अडानी ग्रुप की 10 में से 4 कंपनियों के शेयरों में लोअर सर्किट लगा हुआ है। पिछले सप्ताह से अडानी के शेयरों में तेजी देखने को मिली थी। अडानी ग्रुप के सभी स्टॉक्स ने जोरदार कमबैक किया था। शेयरों में तेजी के साथ अडानी की नेटवर्थ में भी इजाफा हुआ था। इसी के चलते गौतम अडानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। एक समय वो टॉप 30 से भी बाहर हो गए थे। पिछले एक सप्ताह से अपर सर्किट पर चल रहे अडानी पॉवर के शेयर में आज लोअर सर्किट लगा है। यह शेयर सुबह 217.35 रुपए के स्तर पर खुला था। इसके बाद यह पांच फीसदी गिरावट के साथ 204.35 रुपए के स्तर पर पहुंच गया। अडानी टोटल गैस के शेयरों में भी भारी गिरावट देखने को मिल रही है। यह शेयर 947.20 रुपए के स्तर पर खुला था। इसके बाद शेयर में पांच फीसदी की गिरावट देखने को मिली। यह शेयर 947.20 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहा है। अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड के शेयरों में भी लोअर सर्किट लगा हुआ है। यह शेयर पांच फीसदी गिरावट के साथ 902.20 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। एनडीटीवी के शेयरों में भी गिरावट देखी जा रही है। यह शेयर पांच फीसदी की गिरावट के साथ 211.10 रुपए पर कारोबार कर रहे हैं। अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में भी गिरावट देखी गई है।

रिलायंस को 3 अरब डॉलर का लोन देने के लिए बैंकों की लगी लाइन

- लोन का सिंडिकेशन पूरा करने तीन दर्जन के बैंक हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली ।

हाल ही जब हिंडनबर्ग ने अडानी समूह को लेकर निगेटिव रिपोर्ट जारी की। उसनें भी अडानी के भारी भरकम कर्ज पर सवाल खड़े किए गए। अडानी समूह के कर्ज को लेकर पहले से भी सवाल उठते रहे हैं। हिंडनबर्ग के विवाद के बाद अडानी समूह के कर्ज को लेकर विवाद और बढ़ गया। अडानी समूह ने भी अपने कर्ज को कम करने लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। अडानी समूह ने निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए समय से पहले 2.65 अरब डॉलर के कर्ज का भुगतान कर दिया है। अडानी समूह जहां कर्ज चुका रहा है, वहीं भारत के सबसे अमीर शख्स रिलायंस इंडस्ट्री के चेयरमैन मुकेश अंबानी का कर्ज बढ़ रहा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड अपने कैपेक्स और रिलायंस जियो के 5जी कारोबार का विस्तार करने के लिए 3 अरब डॉलर का लोन लेने जा रही है। इस लोन के लिए सिंडिकेशन में 10 से अधिक बैंक शामिल हो सकते हैं। रिलायंस को लोन देने वाले बैंकों के सिंडिकेट में और एशियाई बैंक शामिल हो सकते हैं। ये लोन पिछले पांच सालों में भारत के किसी भी कॉरपोरेट हाउस की ओर से लिए गए लोन की ये सबसे बड़ी डील है। माना जा रहा है कि इसी महीने ये डील पूरी हो सकती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज को मिलने वाले इस लोन का सिंडिकेशन पूरा करने के लिए तीन दर्जन के करीब बैंक शामिल हो सकते हैं। बैंकरों ने कहा कि कम से कम पांच सालों में किसी भी भारतीय कॉरपोरेट की तरफ से ये सिंडिकेटेड टर्म लोन की सबसे बड़ी डील है। रिलायंस को लोन देने के लिए सिंडिकेशन प्रोसेस जारी है, जिसमें 10 और बैंक शामिल हो सकते हैं। बैंक रिलायंस को दिए जाने वाले इस लोन के लिए खुद को शामिल करना चाहते हैं। दरअसल रिलायंस की रेटिंग अच्छी है। कारोबार की अपनी साख है। अनिश्चित समय में रिलायंस जैसी कंपनियों की रेटिंग अच्छी है, जिसके कारण बैंकों को उम्मीद है कि उन्हें अपने लोन पर अच्छा रिटर्न मिलेगा। रिलायंस को लोन देने के लिए सिंडिकेट में पहले सिटी बैंक, बैंक ऑफ अमेरिका, बीएनपी पारिबा, एचएसबीपी, स्टैंडर्ड चार्टर्ड, बैंक ऑफ इंडिया जैसे बड़े बैंक शामिल हुए। बाद में इसमें बार्कलेज, जेपी मॉर्गन, बैंक ऑफ इंडिया और सुमितोमो मित्सुई ट्रस्ट बैंक भी इस लिस्ट में शामिल हुए।

अमेरिका में दो बैकों के डूबने से दुनियाभर के शेयर बाजार गिरे

नई दिल्ली ।

अमेरिका में दो बैंकों के डूबने से अफरा-तफरी मची हुई है। पहले सिलिकॉन वैली बैंक पर ताला लगा और फिर सिग्नेचर बैंक भी दिवालिया हो गया है। इस बैंक के पास 110 बिलियन डॉलर के एसेट्स हैं। दोनों बैंकों के डूबने का असर पूरी दुनिया पर देखा जा रहा है। दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट है।

साथ ही सोने कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। पिछले शुक्रवार को सोना वैश्विक बाजार में सप्ताह की शुरुआत के बाद से तीन फीसदी चढ़ गया था। 2008 में भी आर्थिक मंदी की शुरुआत अमेरिका के दो वित्तीय संस्थानों के डूबने से हुई थी। तब भी सोने में उछाल आया था। 2008 में मंदी की शुरुआत लीमन ब्रदर्स व वाशिंगटन म्यूचुअल के ढहने के बाद हुई थी।

पहले टेक कंपनियों के भारी संख्या में कर्मचारियों के निकालने और अब दो बैंकों के दिवालिया होने से अमेरिका में मंदी की आशंका बल पकड़ गई है। दो अमेरिकी बैंकों के दिवालिया होने के बाद निवेशक हताश हैं। अमेरिका की इस घटना का असर पूरे वैश्विक आर्थिक सिस्टम पर होगा। इससे दुनिया में अनिश्चितता फैलेगी। जब भी संसार में उथल-पुथल होती है तो सोन की मांग बढ़ जाती है। यही कारण है अब अमेरिकी बैंकिंग सिस्टम में लगे डेंट की वजह से दुनिया भर के इक्विटी निवेशक घबराए हुए हैं। अचानक सोने में खरीदारी बढ़ गई है।वैश्विक बाजार में सोने में आज भी तेजी है। सोने का हाजिर भाव सोमवार को 0.88 फीसदी चढ़कर 1,892.38 डॉलर प्रति औंस पर जा पहुंचा है। ब्लूमबर्ग डॉलर स्पॉट इंडेक्स में भी गिरावट जारी है। शुक्रवार को यह गिरा था। भारतीय वायदा बाजार में भी आज सोना 894 रुपए प्रति 10 ग्राम चढ़कर 57044 रुपए पर कारोबार कर रहा है।

एफआईएच प्रो लीग : भारतीय टीम ने जर्मनी को 6-3 से हराया

राउरकेला । भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग में विश्व चैम्पियन जर्मनी को 6-3 से हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया है। भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जर्मनी के खिलाफ लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम के 17 अंक हो गये हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। वहीं स्पेन के भी 17 अंक हैं पर बेहतर गोल अंतर के कारण भारतीय टीम शीर्ष पर बनी हुई है। जर्मनी की ओर से टॉम ग्रैमबुश ने तीसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर एक गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। वहीं भारतीय टीम ने 21वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर जुगराज सिंह के एक गोल से बराबरी हासिल कर ली। इसके बाद अभिषेक ने 22वें जबकि सेलवम कार्ति ने 24वें और 26वें मिनट में दो गोल किये। एक अन्य गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने (26वें मिनट) ने किया। इस प्रकार भारतीय टीम ने बढ़त हासिल कर ली। जर्मनी की ओर से गोंजालो पेइलाट ने 23वें मिनट और माल्टे हेलविग ने 31वें मिनट में गोल कर वापसी का प्रयास किया लेकिन अभिषेक ने 51वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागकर भारतीय टीम को अजेय बढ़त दिला दी। इसके बाद जर्मन टीम ने कई प्रयास किये पर भारतीय रक्षापंक्ति ने उन्हें विफल कर दिया।

प्रणय ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के दूसरे दौर में पहुंचे

बर्मिंघम ।(एजेंसी)

भारत के एचएस प्रणय ने मंगलवार को यहां कड़े मुकाबले में चीनी ताइपे के जू वेई वैंग को सीधे गेम में हराकर ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। दुनिया के नौवें नंबर के भारतीय खिलाड़ी प्रणय ने वैंग को पहले दौर के मुकाबले में 49 मिनट में 21-19 22-20 से हराया। इस जीत के साथ वैंग के खिलाफ प्रणय का जीत-हार का रिकॉर्ड 5-3 हो गया। केरल के 30 साल के प्रणय अगले दौर में इंडोनेशिया के तीसरे वरीय एंथोनी सिनिसुका गिनटिंग और थाईलैंड के केंटाफोन वेंगचारोन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे। प्रणय अच्छी लय में दिखे। उन्होंने अच्छी शुरुआत की और लगातार पांच अंक के साथ पहले गेम में ब्रेक तक 11-4 की बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि इसके बाद कुछ शॉट बाहर और नेट पर मारे जिससे वैंग ने स्कोर 11-14 कर दिया। प्रणय ने लगातार चार अंक के साथ स्कोर 18-12 किया लेकिन वैंग ने भारतीय खिलाड़ी की कमजोरी का फायदा उठाकर स्कोर 16-19 किया। प्रणय ने इसके बाद लगातार दो शॉट बाहर मारे जिससे स्कोर 19-19 हो गया। प्रणय ने क्रॉस कोर्ट स्मैश के साथ गेम प्वाइंट हासिल और फिर एक और स्मैश के साथ पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में शुरुआत से ही कड़ा मुकाबला देखने को मिला। वैंग ने 7-2 की बढ़त बनाई। प्रणय ने हालांकि जोरदार वापसी करते हुए ब्रेक तक 11-10 की मामूली बढ़त बना ली। दोनों खिलाड़ी इसके बाद 16-16 के स्कोर पर बराबर थे।

प्रणय ने दो अच्छे रिटर्न के साथ स्कोर 19-17 किया लेकिन इसके बाद वैंग को वापसी करने और स्कोर 19-19 से बराबर करने का मौका दे दिया। वैंग ने बाहर शॉट मारकर प्रणय को मैच प्वाइंट दिया लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए। प्रणय ने हालांकि धैर्य बरकरार रखा और वैंग के नेट पर शॉट मारने के साथ मैच जीत लिया।

गारिन, नॉरी व ज्वेरेव बीएनपी परिबास ओपन के अगले दौर में पहुंचे

इंडियन वेल्स । (एजेंसी)

चिली के क्वालीफायर क्रिश्चियन गारिन, जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव व ब्रिटेन के कैमरून नॉरी जीत के साथ ही बीएनपी परिबास ओपन टेनिस के अगले दौर में पहुंच गये हैं। गारिन ने नॉर्वे के तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी कैस्पर रुड को एक कड़े मुकाबले में 6-4, 7-6 (2) से हराकर बड़ा उलटफेर किया है। 97 वीं रैंकिंग वाले गारिन ने मैच में 39 विनर्स लगाये जबकि रुड 15 विनर्स ही लगा पाये। यह मैच करीब 2 घंटे तक चला। गारिन की रुड के खिलाफ चार मैचों में यह तीसरी जीत रही। गारिन को अब प्री-क्वार्टर फाइनल में 13वीं वरीयता प्राप्त करेन खचानोव या 23वीं वरीयता प्राप्त एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना में से किसी एक का सामना करना होगा। वहीं एक अन्य मैच में कैमरून नॉरी ने पहले सेट में 0-3 से पीछे होने के बाद अच्छी वापसी करते हुए टारो डेनियल को 6-7 (5), 7-5, 6-2 से हराया। नॉरी का मुकाबला अब आंद्रे रुबलेव और उगो हम्बर्ट के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। एक अन्य मैच में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फिनलैंड के एमिल

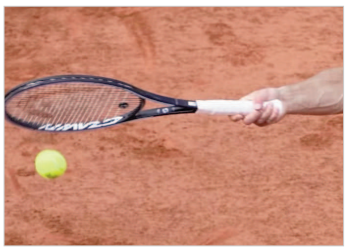

रुसुवुओरी को 7-5, 1-6, 7-5 से हराया। अगले दौर में उनका मुकाबला 5वीं वरीयता प्राप्त डेनियल मेदवेदेव या इल्या इवाश्का में से किसी एक से होगा। वहीं महिला वर्ग में तीसरी वरीयता प्राप्त अमेरिका की जेसिका पेगुला ने एक सेट से पिछडने् के बाद 26वीं वरीयता प्राप्त अनास्तासिया पोटापोवा को 3-6, 6-4, 7-5 से हरा दिया। एक अन्य मैच में मारिया सककारी ने 27वीं रैंकिंग की खिलाड़ी अनहेलिना कैलिना को 3-6, 6-2, 6-4 से हराया। अब इस खिलाड़ी का मुकाबला अंतिम 16 में करोलिना प्लिस्कोवा या वेरोनिका कुदेरमेटोवा से होगा।

मनिका सिंगापुर स्मैश में महिला और मिश्रित युगल में हारी, भारतीय चुनौती समाप्त

सिंगापुर । मनिका बत्रा की महिला और मिश्रित युगल दोनों मुकाबलों में हार के साथ मंगलवार को यहां सिंगापुर स्मैश टेबल टेनिस टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। मनिका और जी साथियान को हिना हयाता और टोमोकाजु हारिमोतो की जापान की विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता जोड़ी के खिलाफ मिश्रित युगल क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। मनिका और साथियान की छठी वरीय जोड़ी को चौथी वरीय विरोधी जोड़ी के खिलाफ अंतिम आठ के मुकाबले में 52 मिनट में 2-3 (9-11 9-11 11-8 11-5 7-11) से हार झेलनी पड़ी। मनिका और साथियान ने जियान झेंग और च्यु झी यू क्लेरेंस की सिंगापुर की जोड़ी को प्री क्वार्टर फाइनल में 3-1 (11-7, 12-10, 9-11, 11-3) से हराया था। भारतीय जोड़ी को मिश्रित युगल के पहले दौर में बाई मिली थी। महिला युगल में मनिका और अर्चना कामत को मेंग चेन और यिदी वैंग की चीन की जोड़ी के खिलाफ 42 मिनट चले अंतिम 16 के कड़े मुकाबले में 2-3 (2-11 6-11 15-13 12-10 6-11) से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले मनिका, साथियान और शरत कमल को अपने एकल मुकाबलों में पहले दौर में ही शिकस्त झेलनी पड़ी। पुरुष युगल में हरमीत देसाई और मानव ठक्कर की जोड़ी भी पहले दौर में हारकर बाहर हो गई।

लवलीना को आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में जीत की उम्मीद

नई दिल्ली ।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को उम्मीद है कि वह अधिक वजन वर्ग में खेलने के बाद भी 15 मार्च से शुरू होने वाली आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में जीत हासिल करेगी। बोरगोहेन इसी के साथ ही इस भ्रांति को भी तोड़ना चाहती है कि वह अधिक वजन वर्ग के बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक नहीं जीत सकतीं। लवलीना महिला विश्व चैम्पियनशिप के 75 किग्रा वजन वर्ग में हिस्सा लेंगी जबकि पिछली दो विश्व चैम्पियनशिप में उन्होंने 69 किग्रा वजन वर्ग में कांस्य पदक जीता था और 2020 तोक्यो ओलंपिक में भी इसी वजन वर्ग में तीसरा स्थान हासिल किया था। इस टूर्नामेंट में भारत की शीर्ष महिला मुक्केबाज निकहत जरीन का ध्यान भी अपना स्वर्ण पदक बनाये रखने पर होगा। इसके साथ ही लवलीना भी शीर्ष स्थान हासिल नहीं कर पाने की भ्रांति को समाप्त करना चाहेंगी। इस मुक्केबाज ने साल 2018 और 2019 महिला विश्व चैम्पियनशिप दोनों में तीसरा स्थान हासिल किया था और फिर 2020 टोक्यो ओलंपिक में भी कांस्य पदक जीता था। जिससे लगने लगा था कि यह मुक्केबाज अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं कर पा रहीं। वहीं लवलीना ने इससे इंकार किया और कहा कि उनकी प्रतिबद्धता हमेशा रिंग में अपना सौ फीसदी देने की होती है। लवलीना ने

अपने सभी तीनों कांस्य पदक 69 किग्रा में जीते हैं हालांक वह आगामी चैम्पियनशिप में 75 किग्रा में हिस्सा लेंगी। उन्होंने कहा, ''हां, यह स्वर्ण पदक नहीं जीतना मेरे दिमाग में भी चल रहा है, लेकिन मैं इस बार पदक का रंग बदलने के लिये बेकरार हूं। मेरा प्रयास हमेशा स्वर्ण पदक के लिये खेलने का है और इस बार भी कुछ अलग नहीं होगा। तैयारियां अच्छी चल रही हैं और मैं उम्मीद करती हूं कि मैं घरेलू धरती पर इस भ्रांति को तोड़ सकती हूं। उन्होंने साथ ही कहा कि मौजूदा विश्व चैम्पियन निकहत जरीन के साथ उसी टीम का हिस्सा होने से उन पर अच्छा प्रदर्शन करके स्वर्ण पदक जीतने का कोई अतिरिक्त दबाव नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

लायन को खेलना रहा मुश्किलः शुभमन

अहमदाबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने माना है कि सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम के अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लायन के खिलाफ रन बनाना बेहद कठिन रहा। शुभमन ने कहा कि बल्लेबाजों ने इस सीरीज में लायन पर दबाव बनाने के प्रयास किये थे पर सफलता नहीं मिली। लायन चार मैचों में 19 विकेट के साथ इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने इंदौर में तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से सबसे ज्यादा नौ विकेट लिए थे। उन्होंने नई दिल्ली में हुए दूसरे टेस्ट में पांच लिए थे हालांकि इस मैच में वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये थे। उन्होंने कहा, (लायन) हमेशा अपनी छाप छोड़ते हैं। वह आपके धैर्य की बहुत परीक्षा लेते हैं। खासकर जब मैं तीसरे दिन उनके खिलाफ बल्लेबाजी कर रहा था तो पहला सत्र काफी चुनौतीपूर्ण था। वह केवल अपने क्षेत्र में गेंदबाजी करते हैं। इस युवा बल्लेबाज ने कहा, वो लगातार ऑफ स्टंप के बाहर गेंदबाजी करते हैं और बल्लेबाज को ज्यादा अवसर नहीं देते हैं। वह हाफ वॉली या शॉर्ट गेंद नहीं फेंकते। एक बल्लेबाज के रूप में उनके खिलाफ रन बनाना काफी कठिन है। वहीं लायन ने कहा कि यह दौरा उनके और ऑस्ट्रेलिया के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। यह एक कठिन चुनौती रही है। हम जानते थे कि यह कठिन होने वाला है हालांकि यह लाभदायक रहा है इससे उनकी टीम को काफी कुछ सीखने को मिला है। कई ऐसे क्षेत्र पता चले हैं, जहां उनकी टीम को सुधार करना है। लायन ने युवा टॉड मर्फी और मैथ्यू कुहनमैन के प्रदर्शन की भी तारीफ की।

नाटु-नाटु पर डांस करने का गावस्कर का वीडियो आया

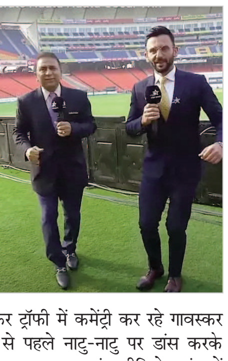

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भी आआआर फिल्म के सुपरहिट गीत नाटु-नाटु को ऑस्कर अवार्ड मिलने पर जश्न मनाया। गावस्कर ने इस अवसर पर नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम पर इस गाने का आइकॉनिक डांस स्टेप भी किया था। इस दौरान गावस्कर की फूर्ती देखने लायक थी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में कमेंट्री कर रहे गावस्कर ने पांचवें दिन खेल शुरू होने से पहले नाटु-नाटु पर डांस करके अपने प्रशंसकों को खुश किया। गावस्कर का डांस वीडियो प्रशंसकों के बीच जमकर वायरल हुआ है। इसके अलावा प्रसारणकर्ता चैनल के मेजबान जतिन सप्रू और उनके साथी ने स्टूडियो में नाटु-नाटु गाने के सिग्नेचर स्टेप भी कापी किये। यह वीडियो भी प्रशंसकों को काफी पसंद आया है।अंतिम टेस्ट ड्रॉ रहने से भारतीय टीम ने यह सिरीज 2-1 से जीती है। भारतीय टीम ने इस सीरीज के पहले दो मैच जीते थे जबकि ऑस्ट्रेलिया ने तीसरा मैच जीता। अब भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में मुकाबला होगा। डब्ल्यूटीसी फाइनल इंग्लैंड के द ओवल मैदान में 7 जून से खेला जाएगा।

स्मिथ ही रहेंगे एकदिवसीय सीरीज में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान

मैक्सवेल और वार्नर की वापसी, रिचर्डसन की जगह खेलेंगे एलिस

मुम्बई ।

अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में उतरेगी। नियमित कप्तान पैट कमिंस के स्वदेश लौटने के बाद स्मिथ ने तीसरे और चौथे टेस्ट में भी टीम की कप्तानी की थी। वहीं अब कमिंस अपनी मां के निधन के कारण ऑस्ट्रेलिया में अपने घर पर ही हैं, ऐसे में स्मिथ को टीम का कप्तान बनाये रखा गया है।

टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कहा, कमिंस अभी स्वदेश में ही रहेंगे , वह अभी अपने घर को देख रहे हैं। हमारी संवेदनाएं पैट और उनके परिवार के साथ हैं। कमिंस को 15-सदस्यीय टीम में नहीं बदला गया है। साथ ही कहा कि झे रिचर्डसन के चोटिल होने के कारण नाथन एलिस को भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है।

मैकडॉनल्ड ने साथ ही कहा कि सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर कोहनी में फ्रैक्चर के कारण पिछले दो टेस्ट से बाहर रहने के बाद टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। वहीं टेस्ट सीरीज के बीच में ही घर भेजे गये एश्टन एगर भी भारत लौट आए हैं। एकदिवसीय सीरीज के लिए ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल की भी वापसी हुई है। इसके अलावा मिशेल मार्श भी टीम में वापस आ गये हैं। तीन मैचों की सीरीज का पहला एकदिवसीय मैच 17 मार्च को खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया टीम इस प्रकार है : स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, एश्टन एगर, एलेक्स केरी, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मारनस लाबुशाने, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर और एडम जम्पा।

अपने आउट होने के तरीके से निराश हैं जेमिमा

मुम्बई । महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्लयूपीएल) में अपनी टीम दिल्ली कैपिटल्स की जीत में अहम भूमिका निभाने वाली उपकप्तान जेमिमा रोड्रिग्स अपने आउट होने के तरीके से निराश हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने इस मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आसानी से हरा दिया। इस मैच में स्मृति मंधाना की कप्तानी वाली आरसीबी महिला टीम को लगातार पांचवीं हार का सामना करना पड़ा। जेमिमा लक्ष्य का पीछा करते हुए एक अहम मोड़ पर पेवेलियन लौट गयीं। जेमिमा ने मैच के बाद कहा कि मैं इसे समाप्त करना चाहती थी। रोड्रिग्स ने कहा, मैं इसे खत्म करना चाहती थी, मैं जिस तरह से आउट हुई उससे निराश थी पर जिस तरह हम जीते उससे मुझे खुशी हुई। लीग चरण में इस तरह के मैच से हमें फाइनल की तैयारी में भी सहायता मिलती है। इस मैच में जोनासेन ने खेल को समाप्त करने के लिए एक छक्का और एक चौका लगाया जिससे आरसीबी को टूर्नामेंट की पहली जीत हासिल करने में सहायता मिली। वहीं शिखा पांडे ने गेंदबाजी करते हुए एक आसान सा कैच छोड़ दिया।

महिला प्रीमियर लीगः आरसीबी की हार से निराश हैं मंधाना के प्रशंसक

मुंबई ।(एजेंसी)

महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट (डब्ल्यूपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की टीम को मिली लगातार पांचवीं हार से उसके प्रशंसक निराश हैं। अब तक के सभी मैचों में आरसीबी की टीम उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी है जबकि उसके पास कप्तान स्मृति मंधाना के साथ ही कई स्टार खिलाड़ी हैं। मंधाना भी अब तक इस टूर्नामेंट में विफल रही हैं। आरसीबी की टीम का वही हाल होता नजर आ रहा है जो आईपीएल में विराट कोहली की की कप्तानी वाली आरसीबी का हुआ था। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में आरसीबी की टीम एक बार फिर विफल रही हालांकि उसकी ओर से ऑलराउंडर एलिस पेरी ने शानदार पारी खेली। इस मैच में ऑलराउंडर एलिस पेरी ने 52 गेंदों पर नाबाद 67 रन बनाये पर वह अपनी टीम की हार नहीं टाल पायीं। पेरी ने अपनी आक्रामक पारी में चार फोर और पांच छक्के लगाए। वहीं पेरी के अलावा ऋचा घोष ने भी केवल 16 गेंदों में 37 रन बनाये पर बाकि खिलाड़ी असफल रहीं। आरसीबी की टीम ने पेरी और ऋचा की पारियों से अंतिम छह ओवरों में 82 रन बनाये। आरसीबी की टीम ने कुल मिलाकर 150 रन बनाये। इस प्रकार दिल्ली कैपिटल्स को जीत के लिए 151 रनों का लक्ष्य मिला। दिल्ली ने एलिस कैप के 38, जेमिमा रोड्रिग्स के 32 और मारिजान केप के नाबाद 32 और जेस जॉनसन के नाबाद 29 रनों की पारी से ये लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। इससे पहले दिल्ली की कप्तान मेग लैनिंग ने टॉस जीतकर आरसीबी को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। आरसीबी की शुरुआत एक बार फिर खराब रही। कप्तान स्मृति मंधाना 8 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गयीं। टीम ने पावरप्ले में एक विकेट पर 29 रन बनाये। आरसीबी की बल्लेबाज दिल्ली के तेज गेंदबाजों और स्पिन मिश्रित आक्रमण के सामने बेबस नजर आयी।

पेरी का अर्धशतक बेकार गया, आरसीबी की लगातार पांचवीं हार

मुंबई ।(एजेंसी)

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की टीम का महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) में हार का सिलसिला समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुए मैच में आरसीबी को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। यह टीम की लगातार पांचवीं हार है, इस मैच में ऑलराउंडर एलिस पेरी ने 52 गेंदों पर नाबाद 67 रन बनाये पर वह अपनी टीम की हार नहीं टाल पायीं। पेरी ने अपनी आक्रामक पारी में चार फोर और पांच छक्के लगाए। वहीं पेरी के अलावा ऋचा घोष ने भी केवल 16 गेंदों में 37 रन बनाये पर बाकि खिलाड़ी असफल रहीं। आरसीबी की टीम ने पेरी और ऋचा की पारियों से अंतिम छह ओवरों में 82 रन बनाये। आरसीबी की टीम ने कुल मिलाकर 150 रन बनाये। इस प्रकार दिल्ली कैपिटल्स को जीत के लिए 151 रनों का लक्ष्य मिला। दिल्ली ने एलिस कैप के 38, जेमिमा रोड्रिग्स के 32 और मारिजान केप के नाबाद 32 और जेस जॉनसन के नाबाद 29 रनों की पारी से ये लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया।

इससे पहले दिल्ली की कप्तान मेग लैनिंग ने टॉस जीतकर आरसीबी को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। आरसीबी की शुरुआत एक बार फिर खराब रही। कप्तान स्मृति मंधाना 8 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट

गयीं। टीम ने पावरप्ले में एक विकेट पर 29 रन बनाये। आरसीबी की बल्लेबाज दिल्ली के तेज गेंदबाजों और स्पिन मिश्रित आक्रमण के सामने बेबस नजर आयी।

इंडियन वेल्स में कनाडा की बियांका एंड्रीक्यू बीएनपी परिबास ओपन टेनिस में रिटर्न शॉट खेलती हुई।

अंबाजी के श्रद्धालुओं की बड़ी जीत, चिक्की के साथ मोहनथाल का प्रसाद भी बंटेगा

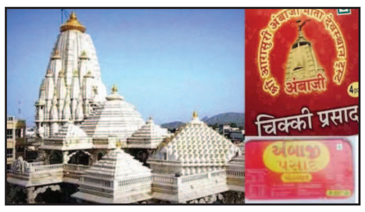

अहमदाबाद। अंबाजी मंदिर में मोहनथाल के प्रसाद को लेकर पिछले 12 दिनों से चला आ रहा आज विवाद खत्म हो गया। 51 शक्तिपीठों में से एक अंबाजी मंदिर में मोहनथाल के प्रसाद को लेकर चल रहे विवाद में श्रद्धालुओं के आस्था की बड़ी जीत हुई है। अंबाजी मंदिर में मोहनथाल प्रसाद का वितरण पुनः शुरू होगा और उसके साथ चिक्की का प्रसाद भी वितरित किया जाएगा। दरअसल इस मुद्दे को लेकर आज गांधीनगर में गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी की अध्यक्षता में बैठक हुई। गुजरात सरकार के प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेश पटेल के कार्यालय में हर्ष संघवी की अगुवाई में हुई बैठक में अंबाजी मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी समेत मंदिर के पुजारी भी मौजूद रहे। बैठक में अंबाजी मंदिर में मोहनथाल प्रसाद का वितरण पुनः शुरू करने का फैसला किया गया। बैठक के बाद राज्य सरकार ने ऐलान किया कि अंबाजी मंदिर में मोहनथाल का प्रसाद फिर शुरू किया जाएगा। साथ ही चिक्की का प्रसाद वितरण भी जारी रहेगा। राज्य सरकार के प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बताया कि अंबाजी के भक्तों और संगठनों की आस्था को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया गया है कि मंदिर में मोहनथाल और चिक्की दोनों प्रसाद दिए जाएंगे। मोहनथाल प्रसाद की गुणवत्ता में सुधार किया जाएगा। मोहनथाल का प्रसाद किसे देना इसका निर्णय मंदिर ट्रस्ट करेगा। बता दें कि गत 3 मार्च से अंबाजी मंदिर में मोहनथाल प्रसाद बंद कर दिया गया था। मोहनथाल बंद किए जाने से अंबाजी के भक्तों समेत हिन्दू संगठनों में आक्रोश भड़क उठा था। विश्व हिन्दू परिषद समेत हिन्दू संगठनों ने मोहनथाल का प्रसाद बंद किए जाने के फैसले का विरोध करते हुए धरना-प्रदर्शन भी किया था। मोहनथाल का प्रसाद फिर शुरू करने की मांग को लेकर पूरे अंबाजी शहर में बैनर-पोस्टर लगाए गए थे। हिन्दू हित रक्षक समिति ने अंबाजी मंदिर देव-स्थान ट्रस्ट को 48 घंटे का अल्टीमेटम भी दिया था। जिसमें 48 घंटों में मोहनथाल प्रसाद शुरू ना करने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी थी। इतना ही नहीं स्थानीय लोगों समेत पुजारियों ने कलेक्टर को पत्र लिखकर मोहनथाल शुरू करने की मांग की थी। विधानसभा में भी कांग्रेस विधायक ने मोहनथाल बंद किए जाने का विरोध करते हुए उसे उसका पुनः वितरण करने की मांग की थी। दांता स्टेट के महाराजा परमवीरसिंह ने ट्वीट कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अंबाजी में मोहनथाल प्रसाद मुद्दे पर हस्तक्षेप करने की मांग की थी। परमवीरसिंह ने इस मुद्दे को लेकर हाईकोर्ट ले जाने की भी चेतावनी दी थी। हांलाकि इस पूरे विवाद का आज पटाक्षेप हो गया है। अंबाजी मंदिर में अब मोहनथाल का भी वितरण होगा और चिक्की का प्रसाद भी बांटा जाएगा।

एच3एन2 फ्लू से वडोदरा में 58 वर्षीय महिला की मौत, गुजरात में पहली घटना

वडोदरा। कोरोना के बाद अब गुजरात में एच3एन2 फ्लू वायरस का खौफ बढ़ गया है। वडोदरा में एच3एन2 फ्लू से 58 साल की एक महिला की मौत हो गई है। एच3एन2 फ्लू वायरस से गुजरात में पहली मौत है, जबकि देश में तीसरी। वडोदरा की 58 वर्षीय महिला के इस नए वायरस की चपेट में आने के बाद शहर के सयाजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। महिला हाइपर टेंशन की मरीज थी। अस्पताल में उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। इस घटना के बाद विशेषज्ञों ने लोगों से मास्क लगाने, समयांतर हाथ धोने, भीड़भाड़ से बचने और ज्यादा से ज्यादा पानी पीने की सलाह दी है। पिछले कुछ समय से देशभर में इस फ्लू के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। एच3एन2 फ्लू से लोगों में दहशत है और हर कोई इसके लक्षण, कारण, निदान और इलाज के बारे में जानना चाहता है। एच3एन2 फ्लू के लक्षणों में खांसी, नाक बहना या बंद होना, गला खराब होना, सिर दर्द, शारीरिक दर्द, बुखार, ठंड लगना, थकान, दस्त और उलटी शामिल है। यह फ्लू इंसानों में फैल सकता है। हांलाकि अभी तक इसके कम्यूनिटी स्प्रेड के मामले सामने नहीं आए हैं। यह संक्रामक वायरस संक्रमित व्यक्ति के खांसने और छींकने के साथ निकली छोटी-छोटी बूंदों के वजह से फैल सकता है। यहां तक कि संक्रमित व्यक्ति के बात करने के दौरान निकलने वाली ड्रॉप्लेट्स से भी यह फ्लू फैल सकता है। संक्रमित व्यक्ति अगर अपने मुंह, नाक को छूता है तो आप उसके संपर्क में आते हैं तो आप भी इस फ्लू से संक्रमित हो सकते हैं। खासकर गर्भवती महिलाओं, बच्चे और बुजुर्गों के एच3एन2 से संक्रमित होने का खतरा अधिक है। आईसीएमआर के मुताबिक 15 दिसंबर से बुखार के सभी मामलों में आधे मामले एच3एन2 वायरस पाया गया है। अस्पताल में भर्ती आधी मरीज एच3एन2 की चपेट में है। अस्पताल में उपचाराधीन कुल मरीजों में 92 प्रतिशत को बुखार, 86 प्रतिशत को खांसी और 27 प्रतिशत को सांस लेने में शिकायत थी। एच3एन2 पीड़ित 10 प्रतिशत मरीजों को ऑक्सीजन और 7 प्रतिशत को आईसीयू में भर्ती करना पड़ता है।

राज्य में ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस को वेग देने हेतु जीआईडीसी का नूतन दृष्टिकोण

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने गुजरात औद्योगिक विकास निगम (GIDC) के माध्यम से ईज़ ऑफ़ डुइंग बिज़नेस को वेग देने वाला नूतन दृष्टिकोण अपनाया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जीआईडीसी की तीन शाखाओं प्री-अलॉटमेंट, पोस्ट-अलॉटमेंट तथा भूमि शाखा के महत्वपूर्ण दस्तावेज़ों के समन्वयक कम्पोडियम का मंगलवार को गांधीनगर में विमोचन किया। उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत की उपस्थिति में लॉन्च हुए इस कम्पोडियम की ऑनलाइन सुविधा भी स्टेकहोल्डर्स (हितधारकों) के लिए उपलब्ध बनाई गई है। इस कम्पोडियम में उपरोक्त तीनों मुख्य शाखाओं के महत्वपूर्ण परिपत्र, नीति-नियमों की अद्यतन जानकारी एक ही स्थान पर प्राप्त होने के कारण हितधारकों का समय बचेगा और कामकाज सरल बनेगा। इतना ही नहीं, विभिन्न परिपत्रों की लागू होने वाली उलझनें दूर होने से आवेदनों का त्वरित निपटान होगा तथा जीआईडीसीकीसेवाओं का लाभार्थियों को अधिक विस्तृत लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त निवेशकों को जीआईडीसी की वर्तमान नीतियों के विषय में श्रेष्ठतर रूप से अवगत कराया जा सकेगा, जिससे वे परिणामोन्मुखी एवं प्रभावी क़दम उठा सकेंगे। जीआईडीसी के इस वनस्टॉप कम्पोडियम के अनावरण अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को बताया गया कि जीआईडीसी ने अपनी गुड गवर्नेंस पहल के अंतर्गत 18 ऑनलाइन मॉड्यूल विकसित किए हैं और अब तक 95000 से अधिक आवेदनों का निपटान किया गया है। ईज़ ऑफ़ डुइंग बिज़नेस पहल के अंतर्गत 4 आवेदन द इन्वेस्टर फ़ैसिलिटेशनपोर्टल (आईएफ़पी) के साथ समन्वित किए गए हैं और अब तक 35000 से अधिक आवेदनों का निपटान किया गया है। तदुपरांत सभी ऑनलाइन सेवाओं की प्रक्रिया डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र (डीएससी) द्वारा की जाती है और 3.90 लाख से अधिक फ़ाइलों को स्कैन कर डिजिटली लिंक किया गया है। यहाँ यह उल्लेख करना आवश्यक है कि राज्य में औद्योगिक विकास को वेगवान बनाने तथा रोज़गार पैदा करने के उद्देश्य से जीआईडीसी अधिनियम के अंतर्गत वर्ष 1962 में जीआईडीसी की स्थापना की गई थी। जीआईडीसी औद्योगिक उद्देश्यों के लिए अनुकूल स्थानों की पहचान कर उन्हें विकसित करने का कार्य करता है, जिससे उन स्थानों को उद्यमियों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जा सके। जीआईडीसी ने अब तक 239 एस्टेट विकसित कर समग्र गुजरात में 70,125 से अधिक इकाइयों को समाविष्ट करते हुए 41,899 हेक्टेयर में भूमि अधिग्रहित की है। कम्पोडियम अनावरण समारोह में मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव पंकज जोशी, उद्योग आयुक्त राहुल गुप्ता तथा अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

पावागढ़ में अब छिला हुआ नारियल नहीं ले जा पाएंगे श्रद्धालु, मंदिर ने लगाया प्रतिबंध

अहमदाबाद। अंबाजी शक्तिपीठ में मोहनथाल प्रसाद का विवाद अभी थमा नहीं था कि अब एक और शक्तिपीठ पावागढ़ में छिले नारियल पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। पावागढ़ स्थित महाकाली माताजी के मंदिर में आगामी 20 मार्च से कोई भी श्रद्धालु छिला हुआ नारियल नहीं ले जा पाएंगे। बगैर छिला नारियल का महाकाली माता को भोग लगाने के बाद चुनरी के साथ भक्त अपने घर ले जा सकेंगे। मंदिर में भक्तों को स्वयं श्रीफल और चुनरी देवी माता को समर्पित करने के बाद अपने साथ घर ले जानी होगी। इतना ही नहीं मंदिर के आसपास छिला हुआ नारियल बेचने पर भी मंदिर प्रबंधन प्रतिबंध लगा दिया है। मंदिर के आसपास अगर किसी व्यापारी के पास छिला हुआ नारियल मिला तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। शक्ति द्वार से सिक्युरिटी गार्ड मंदिर में आनेवाले श्रद्धालुओं की जांच करेंगे और उसके बाद मंदिर परिसर में प्रवेश करने देंगे। अगर किसी ने सिक्युरिटी गार्ड से तकरार की तो उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत की जाएगी। यह फैसला पावागढ़ कालिका माता मंदिर ट्रस्ट की ओर से किया गया है और यह नियम आगामी 20 मार्च से सभी श्रद्धालुओं पर लागू होगा। मंदिर ट्रस्ट के इस फैसले से श्रद्धालुओं समेत स्थानीय व्यापारियों में आक्रोश भड़क उठा है। बता दें कि इससे पहले उत्तरी गुजरात स्थित अंबाजी में मोहनथाल का प्रसाद बंद कर उसके स्थान पर चिक्की प्रसाद स्वरूप श्रद्धालुओं में बांटा जा रहा है। अंबाजी मंदिर प्रबंधन के इस फैसले का राज्यभर में विरोध किया जा रहा है। दांता स्टेट के महाराजा परमवीरसिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ट्वीट कर इस मामले में हस्तक्षेप करने और मोहनथाल का प्रसाद दोबारा चालू कराने की मांग की है। अंबाजी का विवाद अभी थमा नहीं था कि अब पावागढ़ स्थित महाकाली माता के मंदिर में छिले हुए नारियल पर प्रतिबंध लगाने से श्रद्धालुओं में आक्रोश है।

12 नगर पालिकाओं में जलापूर्ति परियोजनाओं और तालाब नवीनीकरण के लिए 134.91 करोड़ रुपए के विकास कार्यों को स्वीकृति

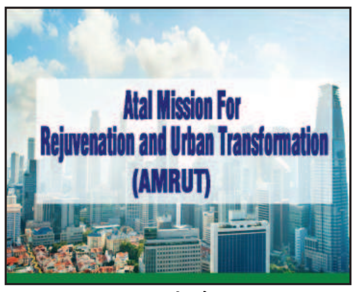

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से कार्यरत अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत 2.0) का गुजरात में व्यापक रूप से सफलतापूर्वक क्रियान्वयन हो रहा है। इसके अंतर्गत गुजरात शहरी विकास मिशन (जीयूडीएम) ने राज्य की 12 नगर पालिकाओं में जलापूर्ति परियोजनाओं के लिए 91.92 करोड़ रुपए सहित विभिन्न विकास कार्यों के लिए कुल 134.91 करोड़ रुपए के कार्यों को स्वीकृति दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के शहरों के हर घर में नल के जरिए शुद्ध पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत 2.0) को लॉन्च किया था। हाल ही में गांधीनगर में हुई राज्य स्तरीय तकनीकी समिति (एसएलटीसी) की बैठक में इन कार्यों को मंजूरी दी गई है। जीयूडीएम ने इस बैठक में जलापूर्ति परियोजनाओं के लिए 91.92 करोड़ रुपए, तालाब नवीनीकरण के लिए 33.58 करोड़ रुपए, भूमिगत सीवरेज की 1 परियोजना के लिए 8.87 करोड़ रुपए तथा उद्यान परियोजना के लिए 54 लाख रुपए मंजूर किए हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में पेश किए गए वर्ष 2023-24 के बजट में राज्य सरकार ने अमृत 2.0 के अंतर्गत जलापूर्ति, सीवरेज व्यवस्था, बरसाती पानी की निकासी तथा तालाबों के विकास इत्यादि के लिए 1454 करोड़ रुपए का प्रावधान सुनिश्चित किया है। बजट के ये वित्तीय प्रावधान जीयूडीएम की राज्य स्तरीय तकनीकी समिति की बैठक में स्वीकृत किए गए विकास कार्यों को नया बल प्रदान करेंगे। जीयूडीएम ने जलापूर्ति परियोजनाओं के लिए जिन 12 नगर पालिकाओं को अनुमति दी है उसमें राजुला नगर पालिका के लिए 15.58 करोड़ रुपए, ठासरा नगर पालिका के लिए 15.61 करोड़, बारडोली नगर पालिका के लिए 5.05 करोड़, वापी नगर पालिका के लिए 31.15 करोड़, सावली नगर पालिका के लिए 5.49 करोड़ और बोरीयावी नगर पालिका के लिए 19.04 करोड़ रुपए का समावेश होता है। इन 6 नगर पालिकाओं को दी गई जलापूर्ति परियोजनाओं की मंजूरी से मौजूदा साढ़े 6 लाख और भविष्य की अनुमानित 10 लाख आबादी को लाभ होगा। इतना ही नहीं, 14,890 घरों को नए नल कनेक्शन भी प्रदान किए जाएंगे। जीयूडीएम की इस बैठक में द्वारका, गोधरा, भरूच तथा मेहसाणा के तालाबों के नवीनीकरण के कुल 33.58 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट मंजूर किए गए हैं। मंजूर किए गए इन 4 वाटर बॉडी के कायाकल्प प्रोजेक्ट से कुल 1.30 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र के तालाबों का कायाकल्प होगा। तालाबों में छोड़े जाने वाले सीवर के गंदे पानी को उचित तरीके से मोड़कर शुद्धीकरण संयंत्र की ओर ले जाया जाएगा। जीयूडीएम की एसएलटीसी की बैठक में वलसाड नगर पालिका के 8.87 करोड़ रुपए के भूमिगत सीवरेज योजना के प्रोजेक्ट को भी स्वीकृति मिलने के परिणामस्वरूप वलसाड के नए विकसित क्षेत्रों को प्रोजेक्ट के अंतर्गत शामिल किया जाएगा। वलसाड शहर की लगभग 9410 आबादी को इस भूमिगत सीवरेज योजना का लाभ मिलने के साथ नए 1570 घरों को कनेक्शन भी दिए जाएंगे।

कृषि उपज को लेकर पिता ने बेटे की हत्या कर दी, पुलिस ने किया आरोपी को गिरफ्तार

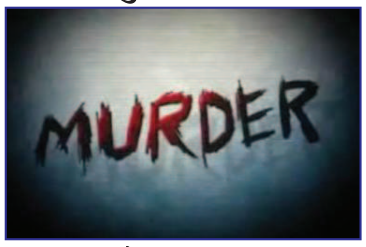

राजकोट। कृषि पैदावार को लेकर पिता-पुत्र के बीच हुई लड़ाई में एक की जान चली गई और दूसरे को जेल की सलाखों के पीछे जाना पड़ा। घटना राजकोट जिले की जसदण तहसील के कनसेरा गांव की है। कनसेरा गांव निवासी महेश कुकडिया अपने खेत में फसल की सिंचाई करने गया था। जहां से काफी समय तक उसके नहीं लौटने पर परिवार ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी। परिजन जब खेत पहुंचे तो खटिया पर महेश की लहुलूहान हालत में लाश पड़ी थी। परिवार ने तुरंत पुलिस को घटना की जानकारी दी। घटनास्थल पर पहुंची भांडला पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। उस दौरान मृतक महेश के पिता बटूक कुकडिया की अनुपस्थिति पुलिस को कुछ अजीब लगी। पुलिस ने जब बटूक का मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया तो वह भी बंद मिला। जिसके बाद पुलिस ने बटूक की तलाश शुरू कर दी और कनसेरा-भेटसुडा गांव के बीच से उसे दबोच लिया। पुलिस की पूछताछ में बटूक ने अपने बेटे महेश की हत्या का अपराध कबूल कर लिया। जांच में पता चला महेश अपने पिता बटूक के साथ ही रहता है और हीरा तराशने के साथ ही खेतीवाडी भी करता था। महेश और बटूक के बीच जमीन को लेकर आए दिन लड़ाई झगड़ा होता था। आखिरी लड़ाई भी महेश और बटूक के बीच कृषि उपज लेकर हुई थी। उस दौरान नशे की हालत में बटूक कुकडिया ने महेश के सिर पर किसी ठोस पदार्थ से वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया और घटनास्थल से फरार हो गया। भांडला पुलिस ने बटूक कुकडिया के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

ब्रिटिश काउंसिल ने स्टेम स्कॉलरशिप 2023-24 की घोषणा की

BRITISH COUNCIL

शैक्षिक अवसरों और सांस्कृतिक संबंधों हेतु यूके के अंतर्राष्ट्रीय संगठन, ब्रिटिश काउंसिल ने एसटीईएम में महिलाओं के लिए ब्रिटिश काउंसिल स्कॉलरशिप के तीसरे समूह की घोषणा की। 26छात्रवृत्तियाँ और फैलोशिप भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों की महिला एसटीईएम स्कॉलर्स के लिए आरक्षित हैं, जिन्हें योग्यता के आधार पर सम्मानित किया जाता है और इसमें किसी देश-विशिष्ट की सीमा नहीं है। ये ब्रिटेन के 6उच्च शिक्षा संस्थान हैं - कोवेंट्री यूनिवर्सिटीज, यूनिवर्सिटीज ऑफ बाथ, यूनिवर्सिटीज ऑफ मैनचेस्टर, यूनिवर्सिटीज ऑफ साउथेम्प्टन, इंपीरियल कॉलेज लंदन और यूनिवर्सिटीज ऑफ एडिनबर्ग। यह छात्रवृत्ति चयनित महिला स्कॉलर्स के लिए एसटीईएम में करियर बनाने में मदद करेगी और यूके के प्रसिद्ध एसटीईएम क्षेत्रों में विशेषज्ञता के अपने प्रदर्शन के माध्यम से अपने देश में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने में उन्हें सक्षम बनाएगी। भारत से चयनित स्कॉलर्स ब्रिटेन के किसी विश्वविद्यालय में मास्टर डिग्री या अर्ली एकेडमिक फेलोशिप प्राप्त करने में सक्षम होंगे, और छात्रवृत्ति में ट्यूशन फीस, वजीफा, यात्रा खर्च, वीजा, स्वास्थ्य बीमा शुल्क, माताओं के लिए विशेष सहायता और अंग्रेजी भाषा समर्थन शामिल होगा। यह छात्रवृत्ति पूर्व छात्र नेटवर्क में सक्रिय जुड़ाव के माध्यम से यूके के साथ जुड़ने और एसटीईएम में महिलाओं की अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए स्कॉलर्स को दीर्घकालिक मंच प्रदान करेगी।

2021/22 में 115 स्कॉलर्स के वैश्विक समूह ने 2021 के ऑटम सत्र में अपने चुने हुए पाठ्यक्रम में दाखिला लिया। 21 भारतीय महिलाओं ने 2022-23 में छात्रवृत्ति प्राप्त की और वर्तमान में यूके में अध्ययन कर रही हैं। इन छात्रवृत्तियों के साथ, ब्रिटिश काउंसिल ब्रिटेन के एक विश्वविद्यालय में एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग या गणित) में वैश्विक साख हासिल करने की इच्छुक महिलाओं का समर्थन करना जारी रखे हुए है।

रितिका चंदा पार्रुक, निदेशक शिक्षा, भारत, ब्रिटिश काउंसिल ने कहा, "ब्रिटिश काउंसिल का मानना है कि वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती पहुंच के माध्यम से बहुत कुछ हासिल हो सकता है। ये छात्रवृत्ति प्रतिभाशाली महिलाओं की शानदार रचनात्मकता, नवीनता और विशिष्ट दृष्टिकोण को इन क्षेत्रों में लाएगी जिससे यह समृद्ध और अधिक उत्पादक बन सकेगा। हम ब्रिटेन की प्रसिद्ध अनुसंधान अध्यापन पद्धति, अत्याधुनिक सुविधाओं और नवीनतम तकनीक तक पहुंच साझा करके एसटीईएम क्षेत्रों में करियर की दिशा में अपनी यात्रा शुरू करने के लिए और अधिक महिलाओं को सक्षम करने हेतु उत्साहित हैं, जिससे उनकी शिक्षा में बदलाव आ सकता है और उनके लिए अवसरों के क्षितिज का फैलाव बढ़ सकता है।

वेसु नगर, लेजेंड बिल्डिंग में श्रेयांशनाथ अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव में गुरुभगवान के प्रवेश के साथ पंचकल्याणक पूजन शुरू

सूरत भूमि, सूरत। वैराग्यवारिधि पू.आचार्य देव श्री कुलचंद्रसूरीश्वरजी म.साहेब ,प्रवचन प्रवक्ता पू. आचार्य देव श्री जिनसुंदरसूरीश्वरजी म.साहेब (चाचा म.सा.), प्रवचन प्रवक्ता पू. आचार्य देव श्री मलयकीर्तिसूरीश्वरजी म.साहेब, प्रवचन प्रवक्ता पू. आचार्य देव श्री हंसकीर्तिसूरीश्वरजी म.साहेब, प्रवचन प्रवक्ता पू. आचार्य देव श्री भव्यकीर्तिसूरीश्वरजी म. साहेब के साथ चतुर्विद संघ भी मौजूद थे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)